@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 11 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 278 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बैरिकेडिंग टूटी, पुलिस का बल प्रयोग

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद में रांची बना रणक्षेत्र

17 दिन से आंदोलन, भूख हड़ताल पर 6 छात्र

एजेंसी

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को उग्र हो गया। विधानसभा घेराव करने पहुंचे हजारों छात्रों ने पुलिस की सुरक्षा बैरिकेडिंग तोड़ दी और विधानसभा गेट के समीप पहुंच गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने कई बार लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। झड़प के दौरान कई छात्रों के सिर में चोट लगने की सूचना है। वहीं, प्रदर्शनकारियों की ओर से भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकी गईं। आंदोलनकारी छात्र सुबह करीब 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास जुटे थे। इसके बाद हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तारों वाली बैरिकेडिंग के साथ छह लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की थी। पूरे इलाके की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही थी।प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद छात्रों ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर विरोध जताया। इस दौरान छात्रों ने राष्ट्रगान भी गाया, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प शुरू हो गई।

राहुल गांधी ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । छात्रों पर हुए बल प्रयोग को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर पुलिस कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग पूरी तरह गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और इस समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। उन्होंने झारखंड सरकार से छात्रों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की।

पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष गिरफ्तार

रांची। मामले में सीआईडी ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। जांच एजेंसी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि 21 जुलाई को जेपीएससीकार्यालय में रेड के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल सीआईडी उनसे पूछताछ कर रही है।

बाबूलाल मरांडी ने आठ घंटे में 20 सोशल मीडिया पोस्ट किए, तीन बार फेसबुक लाइव, बोले- यह छात्रों की अगस्त क्रांति

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी सोमवार को लगातार सरकार पर हमलावर रहे। शाम साढ़े चार बजे तक उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से करीब 20 पोस्ट किए और तीन बार फेसबुक लाइव के जरिए आंदोलन तथा सरकार की कार्रवाई पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बाबूलाल मरांडी ने सुबह मुख्यमंत्री आवास के घेराव के दौरान खुद और भाजपा के कई विधायकों एवं नेताओं को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि छात्र पिछले 15 दिनों से परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं और भाजपा विधायक इसी मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे थे।

एनसीपी (शरद पवार) के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

एनडीए में शामिल होने की अटकलों को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । एनसीपी (शरद पवार) के एनडीए में शामिल होने की अटकलों के बीच बारामती की सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। 20 मिनट की इस बैठक के बाद सांसद डॉ. अमोल कोल्हे ने बताया कि बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र की नीतिगत समस्याओं, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी कई मांगें रखीं।

बैठक की शुरुआत में पीएम मोदी ने वरिष्ठ नेता शरद पवार की सेहत के बारे में पूछा। पवार के काम करने के तरीके और राजनीतिक सफर की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी ऊर्जा और लगन सार्वजनिक जीवन में सभी के लिए प्रेरणा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के प्रमुख समाज सुधारकों और सांस्कृतिक हस्तियों में शामिल- महात्मा ज्योतिराव फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले, लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने का अनुरोध किया।

बीड जिले में सूखे की स्थिति का जिक्र करते हुए सांसद बजरंग सोनवणे ने सरकार से उजानी बांध से मांजरा बांध में पानी छोड़ने का आग्रह किया। इसके अलावा, सांसदों ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद के मकसद से पीएम केयर्स फंड के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया। डॉ. कोल्हे ने बताया कि प्रधानमंत्री का ध्यान नासिक-पुणे हाई-स्पीड रेलवे लाइन, पुणे-नासिक मेट्रो, छत्रपति संभाजीनगर में पीएम गति शक्ति योजनाओं, जेएनपीटी पोर्ट के विस्तार और कल्याण-मुर्बाद रेलवे लाइन जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने की ओर दिलाया गया।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में 11 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश

12 अगस्त तक न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया है

एजेंसी

आरा । बिहार के बहुचर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में आरा की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसडीएम और एसडीपीओ समेत 11 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। भोजपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 अगस्त तक न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया है। हालांकि, भोजपुर पुलिस ने इस कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार किया है। अदालत की यह कार्रवाई शाहपुर थाना कांड संख्या 178/2026 से जुड़ी बताई जा रही है। इस मामले में अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 73 के तहत गैर-जमानती वारंट जारी करने सहित जांच की प्रगति से संबंधित कई बिंदुओं पर अदालत से निर्देश देने की मांग की थी। जिन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ वारंट जारी होने की बात कही जा रही है, उनमें जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीएम संजीत कुमार, तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार, दारोगा अंकित आर्यन, हरिचंद्र कुमार, एएसआई रामाशंकर यादव, एसटीएफ के विकास कुमार, अक्षय कुमार और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अदालत की यह कार्रवाई शाहपुर थाना कांड संख्या 178/2026 से जुड़ी बताई जा रही है।

अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह के मुताबिक, अदालत के समक्ष जांच की स्थिति और अब तक की पुलिस कार्रवाई से जुड़े कई सवाल उठाए गए थे।

रामविलास पासवान और कांशी राम को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पारित

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को लोजपा (रामविलास) पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अध्यक्षता की। इस बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान और बसपा संस्थापक कांशी राम को 'भारत रत्न' देने का प्रस्ताव पारित किया गया। चिराग पासवान ने बताया कि बैठक में पार्टी की नीतियों, संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों एवं विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया। संगठन की मजबूती, जनसेवा के संकल्प और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी के संविधान के अनुसार हर 6 महीने में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होनी चाहिए और उससे जुड़े प्रस्ताव वहां पारित होने चाहिए।

मणिपुर के सीएम ने सुरक्षा हालात का लिया जायजा

● अंतर-राज्यीय बस सेवाएं जल्द शुरू करने पर दिया जोर

एजेंसी

इंफाल । राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करने और उसे और मजबूत करने के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सोमवार को 'संयुक्त मुख्यालय' (यूनिफाइड कमांड) की सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यहां सिविल सचिवालय में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य भर में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति और सुरक्षा से जुड़े अन्य पहलुओं की समीक्षा की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा हालात और यात्रियों तथा माल ढोने वाले वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) और इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) मणिपुर की दो अहम जीवन रेखाएं हैं, जो चारों ओर से जमीन से घिरे इस राज्य को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती हैं। 3 मई, 2023 को जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से कांगपोकपी जिले से होकर गुजरने वाले एनएच-2 पर आवाजाही कानून-व्यवस्था की समस्याओं, बीच-बीच में लगने वाले जाम और सुरक्षा चिंताओं के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है और जरूरी सामान की ढुलाई पर भी असर पड़ रहा है। इस हाई-लेवल मीटिंग में मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल, मणिपुर सरकार के मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) लहरी दोरजी ल्हातू, असम राइफल्स (दक्षिण) के महानिरीक्षक मेजर जनरल गौरव शर्मा, 57 माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल शुभंकर बसु, सीआरपीएफ के महानिरीक्षक राजेंद्र नारायण डैश और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

राज्य में काम कर रहे सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज (सीएपीएफ), इंटेलिजेंस एजेंसियों और अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मीटिंग में हिस्सा लिया और सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लिया।

देश के कई हिस्सों में बारिश का कहर

● झालावाड़ के स्कूल में पानी घुसा, 30 बच्चों का रेस्क्यू

● यूपी में गंगा का पानी हाईवे पर आया

● दिल्ली में 60किमी की रफ्तार वाले तूफान का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। झीकनी गांव के स्कूल में पानी भर गया। यहां फंसे 30 विद्यार्थियों को गांव के लोगों की मदद से रेस्क्यू किया गया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया।

बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया। यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में दिल्ली में लगभग 60किमी की रफ्तार के आंधी-तूफान और भारी बारिश की संभावना जताई है।

● छात्र आंदोलन पर संजय सेठ ने सरकार को घेरा

खियांग्ते की गिरफ्तारी को बताया 'आईवॉश', सीबीआई जांच की मांग

एजेंसी

रांची,। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने सोमवार को झारखंड में चल रहे जेपीएससी-जेएसएससी छात्र आंदोलन को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अलग-अलग सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, वाटर कैनन और आंसू गैस के इस्तेमाल पर सवाल उठाए। साथ ही जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की गिरफ्तारी को भी उन्होंने 'आईवॉश' करार दिया और पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। सेठ ने कहा कि झारखंड के युवाओं ने पारदर्शी परीक्षा की मांग की थी, लेकिन उन्हें बदले में लाठियां मिलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलित छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई राज्य सरकार की नाकामी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आवाज दबाई जा सकती है, लेकिन हक की लड़ाई को रोका नहीं जा सकता। जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वह पहले से ही सीआईडी जांच को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी जांच के नाम पर केवल 'आईवॉश' किया जा रहा है।

संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक विशाखापत्तनम में 19 से 21 अगस्त तक इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रेरित विविध संगठनों की 'अखिल भारतीय समन्वय बैठक' 19-21 अगस्त तक आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के गुडीलोवा में आयोजित होगी। इस बैठक का आयोजन प्रतिवर्ष होता है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक वक्तव्य में बताया कि इस बैठक में संघ प्रेरित कुल 32 संगठन के प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे। इसमें संगठनों के अखिल भारतीय अध्यक्ष, महासचिव, संगठन मंत्री एवं कुछ चयनित पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आंबेकर ने कहा, 'बैठक में मुख्य रूप से सभी अपने-अपने कार्यों की जानकारी देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपना अवलोकन तथा सुझाव प्रस्तुत करते हैं। सभी संगठनों के बीच परस्पर समन्वय और सहयोग को अधिक प्रभावी बनाने, जनकल्याण एवं नीतिगत विषयों पर संवाद आदि विषयों पर बैठक में चर्चा होगी। साथ ही जनसंख्या असंतुलन, नशा मुक्ति, युवाओं में जागृति, पंच परिवर्तन का क्रियान्वयन, विकास की भारतीय अवधारणा सहित वर्तमान परिस्थिति के विभिन्न विषयों पर बैठक में चर्चा अपेक्षित है।'

एमपी में हादसा: बारिश के बीच लिया एक फैसला और बह गई पूरी कार, नौ की मौत

एजेंसी

राजगढ़ । मध्य प्रदेश में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। सबसे ज्यादा असर राजगढ़ में देखने को मिल रहा है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है, नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच सबसे बड़ा हादसा राजगढ़ के पडाना गांव के पास हुआ। यहां उफनते नाले को कार से पार करने की कोशिश 11 लोगों पर भारी पड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार नाले में उतरते ही तेज बहाव की चपेट में आ गई और देखते ही देखते बह गई। कार में सवार लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि कार कुछ ही सेकंड में आंखों से ओझल हो गई। पुलिस के अनुसार इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, दो लोगों को बचा लिया गया है। पीड़ित परिवार देवास जिले के सतवास से सारंगपुर के कड़लावद जा रहा था। देवास से आ रही कार नए बने बायपास से होकर गुजर रही थी।

जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

-राजस्थान के कृषि मंत्री ने आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का किया समर्थन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं तब तक आरक्षण को खत्म नहीं किया जा सकता है। मीणा ने आरक्षण खत्म करने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता। मंत्री ने आदिवासी युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए मिलकर काम करने की अपील भी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान मीणा के राजनीतिक जीवन और संघर्षों पर आधारित एक किताब भी लॉन्च की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक सफर के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने करीब 600 आंदोलनों में हिस्सा लिया है, 17 बार जेल गए हैं और 138 कानूनी मामलों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। मीणा ने उन हालात का भी जिक्र किया जिनकी वजह से पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने पंचायत से जुड़े एक विवाद का जिक्र किया, जब लगभग 50,000 लोगों की भीड़ दौसा की ओर मार्च कर रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

मीणा के मुताबिक जब भीड़ कई किलोमीटर आगे बढ़ गई, तो प्रशासन ने 14 गांव के बुजुर्गों या पंचों को बुलाया और उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया। उन्हें आज भी समझ नहीं आता कि प्रशासन ने ऐसा फैसला क्यों किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की शक्ति ही सर्वोपरि है और बताया कि इसी संघर्ष ने पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट की पहचान दिलाई। पंचना बांध से पानी का मुद्दा उठाते हुए मीणा ने लंबे संघर्ष के बाद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि चंबल नदी का पानी दौसा लाने का काम चल रहा है।

पुरानी घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1985 में उनकी जान जा सकती थी, लेकिन ईश्वर की कृपा से वे बच गए। इस दौरान छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि सरकारी कॉलेज के छात्रों ने मीणा संस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम पेश किए। मध्य प्रदेश के आदिवासी बच्चों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, और स्टंट प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे।

मुजफ्फरपुर में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, भक्तिमय हुआ माहौल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। जिले में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पहले सोमवार को सुबह सात बजे का समय तय किया था, लेकिन मौसम खराब होने और आसमान में बादल छाए रहने के कारण इसमें देरी हुई। करीब साढ़े आठ बजे हरिसभा चौक, रामदयालु, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के समीप कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। भक्ति में उत्साह का माहौल रहा। हर-हर महादेव के नारे से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। चारों तरफ भगवान शिव के जयकारे और बाबा गरीबनाथ की जय का उद्घोष सुनाई दे रहा था। बाबा गरीबनाथ धाम पर जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे शहर के लिए यह एक अलौकिक अनुभूति थी। सड़कों पर असंख्य कांवड़ियों के साथ लोग अपने घरों के छत पर भी खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। विदित हो कि पहलेजा घाट से जलबोझी कर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने की परंपरा दशकों पुरानी है। कांवड़ियों की सेवा कई प्रकार से जिला प्रशासन से लेकर अलग-अलग विभाग और सेवा दलों के द्वारा की जाती रही है, लेकिन यह पहला अवसर था जब पुष्पवर्षा की गई। कांवड़िया मार्ग में जिला प्रशासन की ओर से मार्किंग कर भी इसकी जानकारी दी गई थी। इससे कांवड़ियों में उत्साह का माहौल था। विदित हो कि उत्तराखंड और यूपी समेत अन्य राज्यों में कांवड़ यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से भक्तों पर पुष्पवर्षा कराए जाने की परंपरा सालों से चली आ रही है, लेकिन बिहार में यह पहला मामला है जब कांवड़ियों पर आसमान से पुष्पवर्षा कराई गई।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहे 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता चला

मुंबई (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर मुंबई के अलग-अलग इलाकों में रह रहे 44 बांग्लादेशी नागरिकों का वसीवा पुलिस ने पता लगाया है। पुलिस के अनुसार, चालू वर्ष में वर्सोवा और मुंबई के विभिन्न हिस्सों में की गई कार्रवाई के दौरान इन लोगों की पहचान की गई। यह कार्रवाई उत्तर प्रादेशिक विभाग के उत्तर परिमंडल-1 के अंतर्गत आने वाले वर्सोवा पुलिस थाने की आतंकवाद विरोधी टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित लोगों ने वैध अनुमति या आवश्यक दस्तावेजों के बिना सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया और इसके बाद मुंबई के विभिन्न इलाकों में रह रहे थे। पुलिस अब इनके भारत में प्रवेश और यहां रहने से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध घुसपैठ से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वर्सोवा पुलिस की आतंकवाद विरोधी टीम ने जानकारी जुटाई। इसके बाद मुंबई के अलग-अलग इलाकों में जांच और दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाया गया। पुलिस ने उनके पहचान दस्तावेजों, भारत में रहने की अनुमति और देश में प्रवेश से संबंधित कागजात की जांच शुरू की है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन पर सियासत गर्म : सीजेपी प्रवक्ता को पाखंडी कहने पर बवाल

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में छात्र अपनी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों को सफल बनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बड़े नेता अभी तक रांची नहीं पहुंचे हैं, हालांकि एआईएसएफ की नेहा बोरा वहां मौजूद हैं। इस बीच, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने छात्रों के समर्थन में वीडियो साझा किया, जिसमें रांची में मार्च निकालते हजारों छात्र दिख रहे हैं। इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर समर्थक और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखा तंज कसा। पूनावाला ने सौरव दास को दोमुंहे, सुविधा-संपन्न पाखंडी कहकर सवाल किया कि क्या वे जीके 1 से ही समर्थन कर रहे हैं?। यह बयान तब आया है जब रांची में छात्र विधानसभा का घेराव करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। शहजाद पूनावाला बीजेपी छोड़ने के बाद भी लगातार पीएम मोदी के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। सौरव दास ने अपने वीडियो में शाम के समय छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च को दर्शाया था, जिस पर यह विवाद छिड़ा है।

पीएम मोदी-सीएम योगी की तस्वीरों से सजाई कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

-हापुड़ में लोगों ने किया फूल-मालाओं से शिवभक्तों का स्वागत, बरसाए फूल

हापुड़ (एजेंसी)। श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों की आस्था के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। बुलंदशहर जिले के आवास विकास क्षेत्र के रहने वाले शिवभक्तों की एक भव्य कांवड़ आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कांवड़ को पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों और कटआउट से विशेष रूप से सजाया गया है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर

बुलंदशहर लौट रहे शिवभक्तों का जत्था रविवार को हापुड़ शहर में पहुंचा। कांवड़ पर सजी तस्वीरों को देखने लोगों की भीड़ जुट गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांवड़ की सजावट और श्रद्धालुओं के उत्साह ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। हापुड़ में प्रवेश करते ही लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। बुलंदशहर के रहने वाले शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाने की धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और संस्कारों से जुड़ी यात्रा है। कांवड़ पर पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरें लगाने का उद्देश्य आध्यात्म के साथ देश और प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करना है। शिवभक्तों ने कहा कि उनके लिए आध्यात्म और देशभक्ति अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी भावनाएं हैं।

एफसीआरए बिल पर कांग्रेस का कड़ा रुख : बताया ईसाई विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में सरकार द्वारा विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन के लिए नया बिल लाने की चर्चा के बीच, कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध कर रही है। कांग्रेस ने प्रस्तावित एफसीआरए बिल को ईसाई विरोधी बताया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह विधेयक देश में काम कर रहे अल्पसंख्यक संगठनों, विशेषकर ईसाई समुदायों द्वारा संचालित दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे स्कूलों और अस्पतालों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने चिंता जाहिर की है कि नए नियमों के तहत जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या उप-जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को उल्लंघन के आरोप में किसी भी संस्था की संपत्ति पर कब्जा करने का अधिकार मिल जाएगा, जिसमें पुराने मामले भी शामिल है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर मोदी सरकार जल्दबाजी में बिल लाती है, तब उनका यह सपना पूरा नहीं होने दिया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस केवल एक विधायी मुद्दा नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक वोटर्स को अपने पाले में लाने का एक बड़ा मौका मान रही है। केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों के अलावा आंध्र प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भी ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर एकजुट करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस ने इसी मुद्दे पर हंगामा किया था। समाजवादी पार्टी ने भी बिल का विरोध करने का मन बनाया है और अपने सांसदों को संसद में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए पत्र जारी किया है, जिससे यह साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट होकर एनडीए की घेराबंदी करेगा। दरअसल एफसीआरए एक ऐसा कानून है जो भारत में गैर-सरकारी संगठनों और धार्मिक निकायों द्वारा विदेशी फंडिंग के उपयोग को नियंत्रित करता है।

कश्मीर में हर घर तिरंगा अभियान शुरू, 17 तक चलेगा, तिरंगे में रंगी घाटी

-देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने लिखा भाग

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर संभाग क्षेत्र में हर घर तिरंगा अभियान-2026 और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत हुई। देशभक्ति, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों से भरपूर यह अभियान 17 अगस्त तक चलेगा। अनंतनाग में आयोजित समारोह में डिप्टी कमिश्नर डा. बिलाल मोहिउद्दीन भट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभागों के अधिकारी, नागरिक, युवा स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोपियां में गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ। इस अभियान में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करने और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए एक साथ आए।

स्कूलों और संस्थानों ने भी इस अभियान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर शोपियां के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर डा. ज़ाकिर हुसैन नागरिकों व देश के बीच के रिश्ते को मजबूत करने में हर घर तिरंगा पहल के महत्व पर ज़ोर दिया।

कुपवाड़ा में अलग-अलग जगहों पर बड़ी रैलियां निकाली गई जिनमें स्कूलों और कालेजों के छात्र, यूथ सर्विसेज़ एंड स्पोर्ट्स और सोशल वेलफेयर विभागों के अधिकारी, सुरक्षा बल के जवान और आम लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। त्राल में एक बड़ी तिरंगा रैली हुई। इस रैली में तिरंगे के नीचे एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का शानदार नज़ारा देखने को मिला जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए।

पुलवामा के डिप्टी कमिश्नर डा. बशारत कय्यूम की अगुवाई में हुई इस रैली में त्राल के विधायक रफीक अहमद नाइक, अवंतीपोरा के एसएसपी सज्जाद अहमद शाह, त्राल के एडीसी साजिद शामिल हुए। इसमें नागरिकों ने भी पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। गांदरबल जिले में आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों, युवाओं, सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। छात्रों ने देशभक्ति गीत पेश किए। जिससे राष्ट्रीय गर्व और सामूहिक भागीदारी का माहौल बना। जिले में अलग-अलग जगहों पर तिरंगा रैलियां भी निकाली गईं।

-ममता बनर्जी के काफिले पर हमले पर सियासत तेज

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बोले- जनता के गुस्से का नतीजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता के परिजन से मिलने जा रहीं ममता बनर्जी के काफिले के विरोध को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी के किसी कार्यकर्ता ने नहीं किया, बल्कि यह जनता के भारी गुस्से का नतीजा था। उन्होंने कहा कि मौके पर न तो भाजपा का कोई कार्यकर्ता मौजूद था और न ही पार्टी का झंडा दिखाई दिया। हलीशहर जाते समय प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के वाहन को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार पर कीचड़, जूते और पत्थर भी फेंके। ममता बनर्जी उस तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, जिसकी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने घटना में भाजपा की किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी है और इसी वजह से उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने आरजी कर मामले की पीड़िता को लेकर भी ममता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ममता को पीड़िता के परिवार से मिलकर माफी मांगनी चाहिए थी। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की मां हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने ममता बनर्जी से सवाल किया कि वह पीड़िता की दूसरी बरसी पर उसके परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं। ममता बनर्जी ने अपने काफिले पर हुए विरोध के लिए भाजपा समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार को भाजपा समर्थकों की ओर से धमकाया जा रहा था। ममता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले की निंदा की। उन्होंने भाजपा पर राज्य में अराजकता और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और इसे बदले की राजनीति का गंभीर उदाहरण बताया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जहां भाजपा इसे जनता के आक्रोश से जोड़ रही है, वहीं ममता बनर्जी और विपक्षी दल इसे राजनीतिक हिंसा और बदले की कार्रवाई बता रहे हैं।

अरुणाचल पर चीन का 'नक्शा विस्तारवाद' : पूर्व विदेश सचिव भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के निरंतर दावों और भारतीय स्थानों को बार-बार काल्पनिक नाम देने की उसकी रणनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिबल ने चीन की इस हरकत को 'कार्टोग्राफिक टेरिटोरियल एक्सपैंशनिज्म' यानी नक्शों के जरिए क्षेत्रीय विस्तारवाद बताया है। उन्होंने कहा कि चीन मनगढ़ंत नाम देकर अपने दावों को मजबूत करने की कोशिश करता है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम आधिकारिक तौर पर तय करने को चीन की इस विस्तारवादी नीति का करारा जवाब बताया। उन्होंने भारत के सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शों को अपडेट करने और स्थानों को मानकीकृत करने का सीधा परिणाम बताया।

पूर्व विदेश सचिव सिबल ने तिब्बत का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने चीनी सेना के तिब्बत पर कब्जे को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद चीन संतुष्ट नहीं है और अब वह भारत के साथ लगते अतिरिक्त इलाकों पर दावा कर रहा है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने कहा कि तिब्बत पर नियंत्रण के बाद चीन पहली बार सीधे भारत के साथ सटा और तभी से वह भारतीय क्षेत्र पर अपनी नज़र गड़ाए हुए है। उन्होंने चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को केवल भारत तक सीमित न मानते हुए छोटे देश भूटान का भी उल्लेख किया, जिसे चीन ने अपने क्षेत्रीय दावों से नहीं बख्शा है।

यह बयान तब आया है जब चीनी विशेषज्ञों ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीनी पक्ष ने भारत के इस कदम को 'खुद को भ्रम में रखने वाला' बताया है और चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशें बाधित हो सकती हैं, साथ ही सीमा विवाद सुलझाने की प्रक्रिया भी मुश्किल हो सकती है। हालांकि, सिबल का मानना है कि भारत का यह कदम चीन की विस्तारवादी नीति के विरुद्ध एक ठोस और आवश्यक प्रतिक्रिया है।

2 सितंबर को राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की होगी नियुक्ति

पूर्णकालिक महासचिव पर भी बनेगी सहमति, फिर होगी छंटनी और नई नियुक्ति

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ की प्रतीक्षा होने लगी है। 2 सितंबर को प्रस्तावित ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की नियुक्ति हो सकती है। इसी बैठक में ट्रस्ट को पूर्णकालिक महासचिव का भी चयन किया जाएगा। यही कारण है कि अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ट्रस्ट कर्मियों का आंतरिक स्थानांतरण करके और लगातार निगरानी बढ़ाकर मंदिर की कई व्यवस्थाओं का संचालन तो करा रहे हैं, लेकिन अभी किसी की नई नियुक्ति या छंटनी नहीं की है।

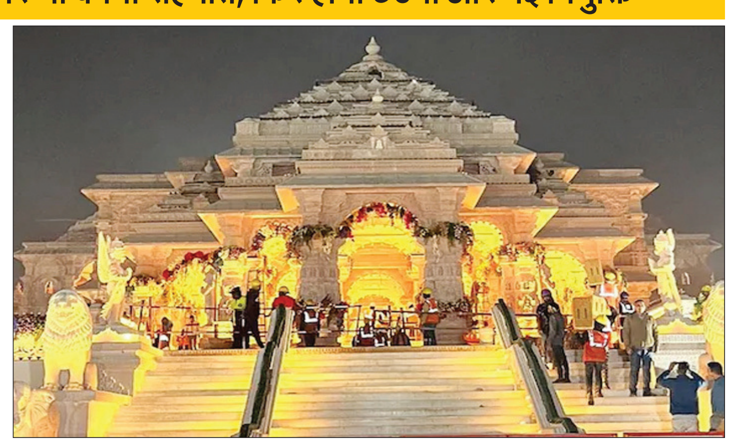

हालांकि यह अवश्य है कि अंदरखाने पूर्व पदाधिकारियों के करीबियों व रिश्तेदारों को चिह्नित कर लिया गया है। चढ़ावे की धनराशि में चोरी सामने आने और दो ट्रस्टियों के त्यागपत्र के बाद ट्रस्ट कर्मियों और सेवादारों में बड़ी हलचल है। एसआइटी और पुलिस जांच जारी रहने से कई कर्मचारी काम तो कर रहे हैं, लेकिन उनमें भय है। इनमें अधिकांश ऐसे कर्मी हैं, जिनकी नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों ने ही की थी। सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों की ही सिफारिश पर होने के कारण अभी किसी को निकाला नहीं जाएगा।

माना जा रहा कि अचानक बड़ी संख्या में कर्मियों की छंटनी से मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन की मुश्किल खड़ी हो जाएगी। यही वजह है कि 2 सितंबर की बैठक का इंतजार किया जा रहा है। बैठक में सीईओ और पूर्णकालिक महासचिव के नाम पर सहमति बन जाएगी, तो महासचिव के निर्देशन में नए सीईओ अपने मुताबिक कई पदों पर नियुक्तियां करेंगे। सहयोगी के रूप में अपना अलग स्टाफ रखेंगे, जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जा सकें और व्यवस्थाओं का सुचारू ढंग से संचालन हो सके। एक पदाधिकारी ने बताया कि आगामी बैठक में ही ट्रस्ट के प्रवक्ता और सचिव की भी नियुक्ति होगी। इसके साथ चयन समिति की ओर से प्रस्तुत तीन नामों के पैनल पर विचार-विमर्श कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और किसी ट्रस्टी को पूर्णकालिक महासचिव का पद भी दिया जाएगा।

पहले रविदासजी के गुरुघर पर बुलडोलर चलाया अब उनके नाम पर कर रहे राजनीति

-मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील की

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने संतगुरु श्री रविदास के तुगलकाबाद स्थित गुरुघर को 2019 में ढहाए जाने और इसके विरोध में हुए आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी संतगुरु श्री रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर समाज को उनके बेगमपुरा के लक्ष्य से भटकाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील करते हुए संत रविदासजी के सम्मान, समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मायावती ने एक्स पर लिखा- जैसा कि विदित है कि 10 अगस्त 2019 को

दिल्ली के तुगलकाबाद में संतगुरु श्री रविदासजी के पवित्र गुरुघर को बुलडोजर और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ढहा दिया गया। इसके विरोध में देशभर की संगत जब लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरी तो तब उन्हें लाठीचार्ज, आंसू गैस, गिरफ्तारियां और मुकदमों आदि का सामना करना पड़ा। काफी लोगों को जेल भी जाना पड़ा। मायावती ने कहा कि गुरुघर की भूमि भी छीन ली गई और आज भी संगत को लोहे के अस्थायी टीन शेड में अपने गुरुजी को माथा टेकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती है और आज भी समाज की स्मृति में अंकित है। उन्होंने लिखा- अब पंजाब चुनाव नजदीक आते ही वही बीजेपी रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर गुरुजी के बेगमपुर शहर के लक्ष्य से समाज को भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में समाज बीजेपी और आम आदमी पार्टी की राजनीति से सतर्क रहे। पराधीनता का अंत और बेगमपुरा का संकल्प संतगुरु श्री रविदासजी सम्मान यात्रा जो तुगलकाबाद से धलेता गांव तक पहुंच रही है, जिसमें समूह संगत सादर आमंत्रित है।

भारत ने 4,800 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट, ढाका कह रहा- सिर्फ 73 ही आए

-सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के आंकड़ों में बड़ा अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भारत-बांग्लादेश के आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया है। भारत की ओर से जहां पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद करीब 4,800 लोगों को डिपोर्ट किए जाने का दावा किया गया है, वहीं बांग्लादेश का कहना है कि 2026 में अब तक उसने केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दोनों देशों के आंकड़ों में इतना अंतर क्यों और बाकी लोगों को कहां रखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता से करीब 90 किलोमीटर दूर हाकिमपुर चेकपोस्ट पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा वाहनों को रोककर दस्तावेज और पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। हालांकि, सीमा पर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कोई बड़ी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध लोगों को सीधे सीमा पर नहीं लाया जाता, बल्कि पहले होल्डिंग सेंटर भेजा जाता है। हाकिमपुर चेकपोस्ट पर तैनात एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि कार्रवाई शुरू होने के शुरुआती दौर में सीमा पर काफी भीड़ थी। उस समय सप्ताह में करीब 10-15 बांग्लादेशियों को वापस भेजे जाने की बात कही गई, लेकिन अब कई-कई सप्ताह तक कोई व्यक्ति डिपोर्टेशन के लिए सीमा पर नहीं पहुंचता है।

अधिकारी के मुताबिक सरकार बदलने के बाद एक समय करीब 200 लोगों को सीमा के रास्ते वापस भेजा गया था। वहीं अन्य लोगों को उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए तीन अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में भेज दिया गया। हाकिमपुर के अलावा पेट्रापोल और महदीपुर चेकपोस्ट पर भी इसी तरह की स्थिति नजर आई। वहां बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कतारें या बड़ी भीड़ नहीं मिली। अधिकारियों के मुताबिक इसका एक प्रमुख कारण प्रक्रिया में बदलाव है। अब कार्रवाई के बाद लोगों को सीधे बॉर्डर पर लाने के बजाय पहले होल्डिंग सेंटर में रखा जाता है। वहां उनकी पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद ही उन्हें सीमा तक ले जाकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। जानकारी के मुताबिक राज्य में बनाए गए 11 होल्डिंग सेंटरों में 300 से ज्यादा लोग रखे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 28 मई को दावा किया था कि सरकार बनने के बाद रोजाना 5,000 से 10,000 बांग्लादेशी वापस जा रहे हैं। इसके बाद 8 जून को सीएम सुवेंदु अधिकारी ने करीब 4,800 लोगों के डिपोर्ट किए जाने की बात कही थी। इसके विपरीत बांग्लादेशी अधिकारियों के आंकड़े इन दावों से काफी

अलग हैं। ढाका का कहना है कि 2026 में अब तक केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया गया है। 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर दोनों देशों के आंकड़ों में यह अंतर अब जांच और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

भाजपा नेता राहुल मलिक का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ सह सयोजक प्रमुख समाजसेवी एवं बीजेपी नेता रामदास मलिक तथा सेवादार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा युवा नेता राहुल मलिक का जन्मदिन धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और स्थानीय लोगों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिन के मौके पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और ब ?ी संख्या में लोगों ने राहुल मलिक से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। राहुल मलिक के जन्मदिन को लेकर उनके समर्थकों में पहले से ही खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। सुबह से ही बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। कई कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समर्थकों ने राहुल मलिक के

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में निरंतर सफलता की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान उत्साह और खुशी का माहौल बना रहा। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। राहुल मलिक के समर्थकों ने उनके जन्मदिन को विशेष बनाने के लिए आयोजन को उत्साहपूर्वक मनाया। समारोह में मौजूद लोगों ने राहुल मलिक के साथ मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। इस अवसर पर राहुल मलिक ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और समर्थकों का प्यार एवं स्नेह उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि लोगों का विश्वास और सहयोग उन्हें समाज एवं क्षेत्र के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। राहुल मलिक के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी के प्रति उनकी सक्रियता और लोगों से जु? रहने की उनकी भावना उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाती है। कार्यकर्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आने वाले समय में भी जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहें। समारोह में जन्मदिन की बधाइयों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को लेकर भी चर्चा हुई। समर्थकों ने कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि अथवा राजनीतिक कार्यकर्ता की वास्तविक पहचान जनता के बीच उसकी सक्रियता और लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता से होती है। राहुल मलिक को जन्मदिन पर मिली शुभकामनाओं को भी उनके समर्थकों ने जनता के बीच उनके जु ?ाव के रूप में देखा।

समारोह में मौजूद लोगों ने राहुल मलिक को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने उम्मीद जताई कि वे आगे भी समाज और क्षेत्र के लोगों के हित में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। जन्मदिन समारोह के समापन के दौरान भी बधाई देने वालों का सिलसिला जारी रहा। कुल मिलाकर भाजपा नेता राहुल मलिक का जन्मदिन उत्साह, उमंग और शुभकामनाओं के बीच मनाया गया। समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने इस अवसर को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छो ?ी। जन्मदिन समारोह के माध्यम से कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच आपसी जु ?ाव भी देखने को मिला। राहुल मलिक ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और समर्थन उन्हें लगातार जनसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

संसद बैडमिंटन चैंपियनशिप मीत हेयर ने तीन खिताब जीते

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 10 अगस्त। नई दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित छठी राष्ट्रीय संसद सदस्य बैडमिंटन चैंपियनशिप में संगरूर से आम आदमी पार्टी के लोकसभा सदस्य गुरमीत सिंह मीत हेयर ने तीन वर्गों के खिताब जीते, जबकि एक वर्ग में उपविजेता रहे। मीत हेयर ने संसद सदस्य पुरुष एकल के फाइनल में उदय श्रीनिवास को 11-21, 21-17 और 22-20 से हराकर खिताब जीता। संसद सदस्य पुरुष युगल के

फाइनल में मीत हेयर ने के.डी. सिंह के साथ मिलकर आगा सैयद रुहेला और मेधा रघुनंदी रेड्डी को 21-13, 18-21 और 21-14 से हराकर खिताब जीता। संसद सदस्य एवं साझेदार युगल के फाइनल में मीत हेयर और बिप्लब मिश्रा ने अरशद खान और राजीव प्रताप रूडी को 21-10 और 21-16 से हराया। संसद सदस्य मिश्रित युगल में मीत हेयर और रंजीता रंजन उपविजेता रहे। मीत हेयर ने बताया कि यह चैंपियनशिप संसद सदस्यों के लिए खेलों से जुड़ने, आपसी साझा बढ़ाने और तंदुरुस्ती को प्रोत्साहित करने का एक शानदार अवसर था। इस यादगार खेल आयोजन का हिस्सा बनकर अत्यधिक खुशी और गर्व महसूस हुआ। उल्लेखनीय है कि पिछले साल चैंपियनशिप में भी मीत हेयर ने पाँच खिताब जीते थे।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को

तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो ?ेगा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता।

मामा ने पिता-सौतेली मां के विरुद्ध कराई रिपोर्ट दर्ज, आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप

हाथरस। सहपऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय किशोरी की मौत के मामले में उसके पिता और सौतेली मां के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज हुई है। फिरोजाबाद जनपद निवासी मृतका के मामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि पिता और सौतेली मां ने लगातार प्रताड़ित कर उनकी भांजी को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। मामा की ओर से दर्ज रिपोर्ट में बताया कि जून 2020 में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी बहन की मौत हो गई थी। उस समय उनकी बहन के तीन बच्चों में भांजी करीब 11 वर्ष की थी। उससे दो छोटे भांजे हैं। बहन की मौत के बाद उनके बहनोई ने फिरोजाबाद जनपद निवासी एक विधवा महिला से विवाह कर लिया था। उन्हें भी उम्मीद थी कि बहन के बाद दूसरी मां से बच्चों की अच्छी देखभाल हो सकेगी। आरोप लगाया कि शादी की बाद सौतली मां बच्चों को रोजाना मारती-पीटती थी। छह अगस्त को आत्महत्या करने वाली उनकी भांजी को पांच अगस्त को पिता ने बेल्ट से पीटा था। उसी रात सौतेली मां ने भी बाल पकड़कर पिटाई की थी। इसी से दुखी होकर उनकी भांजी ने अपने कमरे में चुनरी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली थी। किशोरी के छोटे भाई के स्कूल से लौटने के बाद पड़ोसियों को जानकारी हुई तो उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव फंदे से उतारा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किशोरी के आत्महत्या करने की पुष्टि हुई है। उसके मामा की तहरीर पर कोतवाली सहपऊ में रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिसमें किशोरी के पिता और सौतेली मां पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। मामले में आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Arvinder Singh** is purchasing the Flat No. F4, 2/75, Steet No. 75, Punjabi Bagh West, Delhi from Mrs. Meena Bharara who is the owner of the property vide Court Decree, Suit no. 419/76 & Partition Deed dated 22-10-1990 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, LAKSHMI DEVI W/O DHARAM VIR R/O WARD NO. 01, LAKHIMPUR KHERI, TEHSIL GOLA, MAILANI, DIST KHERI , UTTAR PRADESH PIN CODE 262803, HAVE CHANGE MY NAME FROM LAKSHMI DEVI TO LAKSHMI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Jaituni Begham W/O Harun Khan R/O. Ward No-12, Near Indira Gandhi Eye Hospital, Raipur(188) Sohna, Gurgaon Haryana-122103 have changed my name to Jaituni permanently.

NAME CHANGE
I, ANJALI LOHIA D/O SANJAY LOHIA R/O H.NO V-15/4 DLF CITY PHASE 3 NEAR POLICE STATION, NATHUPUR (67)GURGAON, HARYANA-122002 ,HAVE CHANGED MY NAME TO ANJALI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Harun S/O. Ward No-12, Near Indira Gandhi Eye Hospital, Raipur(188) Sohna, Gurgaon Haryana-122103 have changed my name to Harun Khan permanently.

NAME CHANGE
I DIMPLE JAIN W/0 NARESH GUPTA R/0 4/2506 MASJID KHAJOOR KINARI BAZAR CHANDNI CHOCK DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO DIMPLE GUPTA

NAME CHANGE
I PAWAN KUMAR S/0 ANIL KUMAR R/0 28A GALI NO 8 INDRA PARK CHANDER NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI CHANGED MY NAME TO PAWAN KUMAR SHARMA

NAME CHANGE
I MADINA BEGUM W/O MUSTAFA ALI R/O. H NO-205 KH NO-334/1 F/F GALI NO-5 B- BLOCK GOVT SCHOOL NO-2 NEHRU VIHAR GOKAL PUR DELHI-110094 have changed my name to MADINA for all future purposes.

NAME CHANGE
I Samiksha Patel W/o Hiten Dubey R/O J8/6 Digiya , Ausanganj Varanasi, Uttar Pradesh-221001, has changed my name from Samiksha Patel to Sameeksha Dubey for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-15680257A, Rank-HAV, Name-ISHWAR RADDERATTI residing at VPO-KHANATTI, TEHSIL-MUDALAGI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591312, have changed my minor son's name from SAI to SAI RADDERATTI for all future purposes vide affidavit dated 10/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, LAKSHMI BHARATHI YETRA wife of No 2611905M, Rank- HAV, Name- BAJI BABU TUMMA residing at DH NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, POST & TEHSIL-KARLAPALEM, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111, have changed my name from LAKSHMI BHARATHI YETRA to TUMMA LAKSHMI BHARATHI for all future purposes vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I KHUSHBOO S/O RAGHIB MASOOD KHAN R/O. H NO-129 DDA QRTS NEW SEEMAPURI SHAHDARA DELHI-110095 have changed my name to KHUSHBOO KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VEERAMM mother of JC-442610F, Rank-SUB, Name-NARASAIAH VENKATA K residing at 2/17 KOTTAPALLI, KONDUVARIPALLI, CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516503 have changed my name from VEERAMM to KURUVA VEERAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOUMITA DEBNATH wife of No-14871205W, Rank- SEP, Name-CHANDI CHARAN DEBNATH residing at VILL-EKTARPUR, PO-BHUPATINAGAR, TEHSIL-CONTAI, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721425, have changed my name from MOUMITA DEBNATH to MOUMITA KHALUA DEBNATH for all future purposes vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as YOG DEEP alias YOGDEEP SONPAT S/o PRADEEP KUMAR SONPAT R/o - 52, KOTLA VILLAGE MAYUR VIHAR PHASE-1 EAST DELHI 110091. have changed my name and shall hereafter be known as YOGDEEP SONPAT .

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAI SAHAB alias DHARMENDRA SINGH S/o SHITALA PRASAD R/o -25/291, TRILOK PURI EAST DELHI 110091. have changed my name and shall hereafter be known as DHARMENDRA SINGH.

NAME CHANGE
I, No.-14681348A Rank-HAV Name-PRAKASH CHOUGULE legal father of SAATVIK residing at-VILL-OLD DIGEEWADI, PO-DEGGEWADI, TEHSIL-RAIBAG, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591317, have changed my minor son's name from SAATVIK to SAATVIK PRAKASH CHOUGULE for all future purposes vide affidavit dated 09/07/2026 Before Notary Public, Chikodi, Karnataka.

NAME CHANGE
I MAHIMA D/o KAMAL SHARMA R/o H NO-1/6625, GALI NO-4, AGGARWAL PETHE WALI GALI, SHAHDARA, Delhi-110032 have changed the name to MAHIMA KAU SHIK.

NAME CHANGE
I KAMAL KAUSHIK D/o KAMAL SHARMA R/o E-2/28, JHUGGI, NAND NAGRI, DELHI-110093 have changed the name to KAMAL SHARMA.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA AGARWAL W/o SAKSHAM AGARWAL R/o A2481, FIRST FLOOR, GREEN FIELD COLONY, SHIVAJI MARG, SEC-42, NHPC COLONY, FARIDABAD, HARYANA-121010 have changed the name of my minor son from VIRAJ to VIRAJ AGARWAL.

NAME CHANGE
I, No.-14681348A Rank-HAV Name-PRAKASH CHOUGULE legal father of SAANVI residing at-VILL-OLD DIGEEWADI, PO-DEGGEWADI, TEHSIL-RAIBAG, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591317, have changed my minor daughter's name from SAANVI to SAANVI PRAKASH CHOUGULE for all future purposes vide affidavit dated 09/07/2026 Before Notary Public, Chikodi, Karnataka.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, LAXMIBAI RAGHO SONUNE mother of NO – 4583687M, Rank - NK, Name – SONUNE CHANDRAKANT RAGHO residing at VILL-TARADKHED, PO-GUMMI, TEHSIL & DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443001, have changed my name from LAXMIBAI to LAXMIBAI RAGHO SONUNE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/06/1943 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I AYESHA SUMBUL AZAM D/O ARIF MUSTAFA KHAN R/O H.NO 108/ 216 , GHAFFAR MANZIL , JAMIA NAGAR, DELHI 110025 have changed my name to AYESHA SUMBUL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, BEENA SARKAR W/O A.K SARKAR R/O E-93 KRISHNA VIHAR AWAS VIKAS COLONY NO-1 KALAYANPURI KANPUR NAGAR UTTAR PRADESH 208017, CHANGED MY NAME TO BINA SARKAR.

NAME CHANGE
I, Mukesh Kumar Jain, S/O Om Prakash Jain, R/O D-14/202, Sector-8, Rohini, Delhi- 110085 have changed my name to Mukesh Jain for all future purposes

NAME CHANGE
I, Baby kiran, W/O Gaurav khatri House no-19,., shah pur Garhi West Delhi Delhi 110040.. have changed my name to kiran khatri for all future purposes...

NAME CHANGE
I, Anil Raj, S/O Balmukand Rajpal, 260 FF Rajdhani Enclave Pitampura, Delhi Pin: 110034, Delhi, India Have Changed My Name To Anil Rajpal for all future purposes......

NAME CHANGE
I, Salman, S/O Ikramuddin, R/O D-4/85-86, Sultanpuri, Nithari, North West Delhi, Delhi- 110086 have changed my name to Mohd Salman for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Huma W/o Mohammad Zaid R/o Choura Mohalla Qila Rehmatgarh Melerkotla Punjab 148023 Have Changed My Name From Huma to Huma Fatima For All Future Purposes.

NAME CHANGE
I INAYA D/O ASLAM PARVEZ R/O H.NO-6562/11,IST FLOOR,MAIN CHAMELIAN ROAD,BEHIND FILMISTAN CINEMA,AHATA KIDARA,NEW DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO INAYA ASLAM.

NAME CHANGE
I, POOJA AGRAWAL W/O TARUN GOYAL R/O HOUSE NO.151 AND 152,3RD FLOOR,BLK-H,PKT-17, SECTOR-7,ROHINI, ROHINI, DELHI 110085, CHANGED MY NAME TO POOJA GOYAL.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sanjay Gupta** is purchasing the Plot No. 18, area measuring 357.83 sq. yds., out of Khasra No. 476/2Min, 477/1 & 477/2, situated at Vedah Industrial Park, Village Jagola, Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, UP. from Mr. Anuj Mathur who is the owner of the property vide Court Order Suit No. 570/05 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Atul Sharma S/o Mr. Shiv Charan Sharma is the owner of Freehold Residential Entire First Floor, Built-on Property No. 317-A-C, on Part of Plot No. 46, area measuring 45 Sq. Yds., out of Khasra No. 144 Min, situated in the area of Village Sikdar Pur in the Abadi of Gali No. 5, Anand Marg, Chhajju Pur, Illaqa Shahdara, Delhi. by virtue of Notarized, GPA, ATS & Regd. Will (Vide Doc. No. 18450) dated 09.10.2002 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Akash Verma and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, AFSANA MALIK W/O LIYAKAT Residing at HOUSE NO-776/1 GALI NO-23 NEAR SAEEDIYA MASJID CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North *East* Delhi 110053 have changed my name to AFSANA KHATOON for all future purpose.

NAME CHANGE
I, LIYAKAT MALIK S/O WALI MOHD Residing at HOUSE NO-776/1 GALI NO-23 NEAR SAEEDIYA MASJID CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to LIYAKAT for all future purpose.

NAME CHANGE
I, FARMAN S/O LIYAKAT Residing at HOUSE NO-776/1 GALI NO-23 NEAR SAEEDIYA MASJID CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MOHD FARMAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I MANGAL legally mother of Army no -2821635A
Rank - SEP, Name - WAGH PARASHANT SANJAY, Presently Residing At - JOPUL, POST- JOPUL, Teh - CHANDVAD, Dist - NASHIK, State- MAHARASTRA, Pin - 423101 have changed my name from MANGAL to WAGH MANGAL SANJAY for all future purposes, Vide affidavit dated 10/08/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAMANATH SAH S/O AJODHI SAHA R/O House No-54, Kailashpur Road, Sourav Enclave Kiranchpur, Greater Noida, PO : Container Depot, Dist- Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201311 have changed my name and shall hereafter be known as RAM NATH SAH.

NAME CHANGE
I, Sajida Begum W/o Salauddin R/o 1039 Gali Shakti Mandir Tiraha Behram Khan Phatak Mufti Walan Darya Ganj, Delhi 110002 have changed my name to Sajida Parveen permanently

NAME CHANGE
I, Rehana Bagam W/o Shaoor Ahmed R/o House No R-32 Gali No 20 Brahmpuri Seelampur North East Delhi-110053 Have Changed My Name From Rahena Begum to Rehana Begum For All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAHUL KUMAR PRAJAPATI S/O DINESH PRAJAPATI R/O R C -11, pawan Vihar, Khora Colony, Khora, Dist-Ghaziabad , Uttar Pradesh 201309have changed my name and shall hereafter be known as RADHEY CHAKRAWARTI.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Manish** is the owner of **Janta Flat bearing No. 293-A, on Ground Floor, in Block-B-4, situated in the layout plan of Lawrence Road Residential Scheme, Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi;.** vide **Sale Deed dated 21-02-2022 which is duly registered vide as Document. No. 1725, in Book No. I, Volume No. 10490, Page Nos. 158166 on 21-02-2022 (SRO- VI-A).** and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited. That the (1) Original General Power Attorney, Agreement to Sell and WILL executed by Mrs. Kiran Bedi in favour of Mrs. Kavita Jain, (2) Original Regd. ATS dated 02.04.2009 executed by Mrs. Kavita Jain in favour of Mrs. Madhu Ahuja, (3) Original WILL dated 15.11.2018 executed by Mrs. Madhu Ahuja in favour of Ms. Komal Sharma** are Lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, REENA alias REENA DEVI W/o Sheetal Kumar R/O Flat No-112 3rd Floor Pocket-8 Dwarka Sector-12 New Delhi 110078 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS REENA.

NAME CHANGE
I, DIKSHA BHADORIA daughter of JC-343789X, Rank-SUB Name-SANJAY SINGH Presently residing at VILL-LALPURA, PO-PINHAT, TEHSIL-BAH, DIST-AGRA, U.P-283123, have changed my name from DIKSHA BHADORIA to DEEKSHA BHADORIA for all future purposes vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, MAMTA DEVI wife JC-343789X, Rank-SUB Name-SANJAY SINGH Presently residing at VILL-LALPURA, PO-PINHAT, TEHSIL-BAH, DIST-AGRA, U.P-283123, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/02/1980 instead of my correct date of birth as 05/05/1981, vide Affidavit dated 10/08/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that Mrs. Sudha Rani W/o Mr. Anil Kumar Jindal is the owner and in possession of a Freehold Residential House on Plot No. 107-A, area measuring 75 Sq. Yds., i.e., 62.70 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 821/2/1, Situated at "Gulab Vatika" in the Village Behta Hajipur Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad U.P. The said property was earlier owned by Mr. Mayank Jain S/o Mr. Manoj Kumar Jain, who transferred the said property in favour of Mrs. Neelam Jain W/o Mr. Manoj Kumar by virtue of a Registered Gift Deed dated 31.03.2021, duly regd. in the office of SR-Loni, Ghaziabad, Vide Doc. No. 5108, in Book No. 1, Vol. No. 2499, on Pages No. 1-24, dated 31.03.2021. In the chain of documents, (1) Original Agreement to Sell & Will dated 23.10.1989 executed by Mr. Bhikari Singh in favour of Mrs. Sheela Devi, (2) Original Will dated 23.01.2001 executed by Mrs. Sheela Devi in favour of (a) Mrs. Jai Mala Jain (b) Mrs. Kanti Devi & (3) Original ATS & Will dated 02.03.2020 executed by (a) Mr. Kanti Jain (b) Mrs. Jaimalala in favour of Mr. Mayank Jain are not available. The said property has subsequently been sold to Mrs. Sudha Rani by Mrs. Neelam Jain vide Registered Sale Deed dated 15.07.2026, duly registered in the office of the concerned Sub-Registrar, Loni, Ghaziabad, Vide Registration No. 13222, Book No. 1, District No. 4936, Pages No. 21 to 42, and Mrs. Sudha Rani is presently the owner and in possession of the said property. Therefore, our client hereby declares that except her, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Greater Noida, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice. Thereafter no claim shall be entertained.
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I MOHD AKIL S/O SHAFI AHAMAD R/O. IX-4060 GALI NO-15 AJEET NAGAR, GANDHI NAGAR DELHI-110031 have changed my name to AKIL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AKHILESH S/O RAJENDRA R/O Plot No-149, Sain Vihar, Ghaziabad, By Pass, Ghaziabad Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor Daughter NEHA aged 13 years and She shall hereafter be known as KUMARI ARSI.

NAME CHANGE
I DHANISH WADHWA S/O KAPIL WADHWA R/O. 344 DDA FLATS NEW RANJEET NAGAR DELHI-110008 have changed my name to DHANISH SINGH WADHWA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD ZAHIR KHAN alias ZAHIR AHMED S/o ZAHUR AHMED KHAN R/o 456. GALI MATIA MAHAL, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to ZAHIR AHMED KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I FAJZANA KHAN W/O SHAFI AHAMAD R/O. IX-4060 GALI NO-15 AJEET NAGAR, GANDHI NAGAR DELHI-110031 have changed my name to FARZANA for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं, रहमत नूर खान पुत्र नवाब नूर खान, निवासी 122, मेन चौराहा, जूनियर हाई स्कूल, ग्राम खमरिया, दलेलगंज, पीलीभीत, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश-262001, नाज़रा खानम पत्नी मोहम्मद सुल्तान खान के पिता, एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी बेटी के पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से नहू खान लिखा गया है। मेरा सही नाम रहमत नूर खान है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अब आगे मुझे केवल रहमत नूर खान नाम से ही जाना जाएगा।

सार्वजनिक सूचना
मैं, आबदा बेगम पत्नी रहमत नूर खान, निवासी ग्राम खमरिया, दलेलगंज, पीलीभीत, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश-262001, नाज़रा खानम पत्नी मोहम्मद सुल्तान खान की माता, एतद् द्वारा घोषणा करती हूँ कि मेरी बेटी के पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से आबिदा खानम लिखा गया है। मेरा सही नाम आबदा बेगम है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अब आगे मुझे केवल आबदा बेगम नाम से ही जाना जाएगा।

सार्वजनिक सूचना
मैं, अज़ीज़ुद्दीन, निवासी मकान संख्या 2145, गौतमपुरी, फेज-1, निकट आली विहार, बदरपुर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम अज़ीज़ुद्दीन से बदलकर रमेश चौहान कर लिया है और भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए रमेश चौहान के नाम से जाना जाऊँगा। अज़ीज़ुद्दीन तथा रमेश चौहान एक ही व्यक्ति हैं।

सार्वजनिक सूचना
मैं, एजाज़ मुस्तफ़ा, पुत्र मुस्तफ़ा बख्शी, निवासी R-14B 14C, पहली मंज़िल, फ़्लैट नंबर 203, नफ़ीस रोड, बाटला हाउस, जामिया नगर, ओखला, नई दिल्ली-110025, आम जनता को सूचित करता हूँ कि न तो मेरा और न ही मेरे परिवार के किसी सदस्य का मेरे भाई श्री महबूब मुस्तफ़ा (पुत्र मुस्तफ़ा बख्शी) और उनकी पत्नी श्रीमती शबीना खुशबू के साथ किसी भी प्रकार का कोई संबंध, जुड़ाव, रिश्ता या लेन-देन है। साथ ही हम सबने सभी रिश्ते नाते अपने भाई व भाभी से खत्म कर दिये है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि ऊपर बताए गए व्यक्तियों द्वारा किए गए किसी भी कार्य, गतिविधि, लेन-देन, देनदारी, वादे या सौदे के लिए न तो मैं और न ही मेरे परिवार का कोई सदस्य किसी भी तरह से ज़िम्मेदार या जवाबदेह होगा। जो कोई भी व्यक्ति उनके साथ लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा।
Aijaz Mustafa,
S/o Mustafa Bakhshi
9718955747

NAME CHANGE
I, DYAMAMMA Mother of No-2612338F, Rank-HAV, Name-RAMANNA residing at NO-#4, 1st WARD, LAKAMAPUR, PO-LAKMAPUR, TEHSIL-KUKANOOR, DIST-KOPPAL, KARNATAKA-583238, have changed my name from DYAMAVVA MUDLAPUR to DYAMAMMA for all future purposes, in my son's service documents, my date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1972, vide Affidavit dated 09/06/2026 before Notary Public, Karnataka.

NAME CHANGE
I, SHIVAPPA father No-2612338F, Rank-HAV, Name-RAMANNA residing at NO-#4, 1st WARD, LAKAMAPUR, PO-LAKMAPUR, TEHSIL-KUKANOOR, DIST-KOPPAL, KARNATAKA-583238, have changed my name SHIVAPPA MUDLAPUR to SHIVAPPA for all future purposes, in my son's service documents, my date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1957, vide Affidavit Dated 09/06/2026 before Notary Public, Karnataka.

Public Notice
It is for general information that I, VIKAS CHOPRA S/O SAT PAL CHOPRA R/o B-92, C-58/27, Trikuta Hills, Sector-62, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as ANSHIKA in my minor daughter ANISHKA CHOPRA aged 15 years in her Aadhaar card no.983975491186. The actual name of mine is ANISHKA CHOPRA respectively, which may be amended accordingly.

Public Notice
On behalf of my clients (1) Mrs. Alka Arora wife of Kanwal Jit Arora and (2) Kanwal Jeet Arora son of Ved Prakash Arora both R/o House No. N-240-241, JJ colony, N Block, Raghubir Nagar, Taigore Garden, West Delhi-110027, Mobile No.9810134370, have severed all relationship with their daughter Jyoti Arora D/o Kanwal Jit Arora has Debarred and Disowned them from all our moveable and immoveable properties, Due to their Misconduct/ Misbehavior absolutely and forever anybody dealing with him shall do so at his/her own cost and risk.
SUNIL SINGH Advocate
Ch. No. Y-78, Civil Wings. Tis Hazari Court. Delhi-110054
Mob: 9891273015, 7011983320

Public Notice
Public at large is informed that my client Smt Vimla, Wife of Ram Bilas. Rio House No.C-387. Sangam Vihar, Deoli, South Delhi, New Delhi-110062, has severed her all relations with her son namely Radheyshyam and disowned and disinherited him from her all moveable and immovable properties/assets. Anybody dealing with him shall do so at his/her/their own risk and cost.
Deepak Singh Advocate
Chamber No. 310, Lawyers Block,
Saket Courts Complex,
New Delhi 110017

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पलवल में हर घर तिरंगा अभियान का हुआ भव्य शुभारंभ

एजेंसी

पलवल। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जिला प्रशासन पलवल द्वारा जिले में देशभक्ति एवं राष्ट्र प्रेम की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। बस स्टैंड परिसर में तिरंगा प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। जिला प्रशासन की ओर से पलवल बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पलवल कैंप, सेक्टर-2 सहित शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी गए हैं, जो आम नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन सेल्फी प्वाइंट पर नागरिक तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर अभियान के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त तक चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने पलवल जिला के प्रत्येक नागरिक से आह्वान किया कि वे इस अभियान में पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं।

हर घर तिरंगा अभियान में जिलेवासी उत्साहपूर्वक भाग लें : डीसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि वे देशभक्ति की भावना के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर अभियान के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। डीसी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 9 से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जा रहा है। इस दौरान नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अथवा फोटो आधिकारिक हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। सफलतापूर्वक फोटो अपलोड करने के बाद नागरिक अपना डिजिटल प्रमाण-पत्र भी जनरेट कर डाउनलोड कर सकेंगे। डीसी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव और एकजुटता की भावना को प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की कि वे 9 से 17 अगस्त के बीच अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

अपराध और अराजकता की आग में झुलस रहा हरियाणाः सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। हत्या, लूटपाट, फिरौती और गोलीबारी जैसी घटनाओं ने आम नागरिकों में असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। सरकार को राजनीतिक बयानबाजी और कानून-व्यवस्था बेहतर होने के दावों के बजाय धरातल पर अपराध रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सैलजा ने जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़ चुके हैं कि वे दिनदहाड़े गंभीर वारदातों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे। फतेहाबाद और पानीपत में भी इस प्रकार की गंभीर आपराधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सांसद ने कहा कि कुछ दिन पहले रोहतक में पुलिस थाने के सामने कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर बाइक सवार बदमाशों द्वारा कथित तौर पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना सामने आई थी। पुलिस थाने के सामने जनप्रतिनिधि के कार्यालय पर इस तरह की वारदात होना अपने आप में बेहद गंभीर है।

सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील की खराब क्वालिटी पर सख्ती, डिलीवरी से पहले होगी जांच

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील योजना के तहत बच्चों को मिल रहे खाने की खराब क्वालिटी पर एलिमेंट्री एजुकेशन निदेशालय ने कड़ा रूख अपनाया है। अब जिला स्तर पर शिक्षा अधिकारी न केवल डिलीवरी लेने से पहले सामान की जांच करेंगे बल्कि शिक्षा विभाग ने हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन को भी चेताया है। हरियाणा के हिसार में हाल ही में एक स्कूल का मामला सामने आया था। जिसमें कई घंटे भिगोने के बाद जब राजमाह उबाले गए तो वह गले नहीं। इसी प्रकार मसाले बासी होने तथा गुड़ की क्वालिटी खराब होने की भी खबरें आई हैं। पिछले साल नवंबर से हरियाणा शिक्षा विभाग ने चना, सोया, राजमा, बेसन, रागी का आटा, गुड़, दाल, तेल, मूंगफली और मसाले सप्लाई करने के लिए हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के साथ एक साल का कॉन्ट्रैक्ट किया है।

मैराथन केवल दौड़ नहीं, स्वस्थ जीवन का संकल्प: नायब सिंह सैनी

● आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम नई पीढ़ी को उन बलिदानों से परिचित कराएँ, जिनकी बदौलत हमें यह आज़ादी मिली है। हमने संकल्प लिया है कि हर घर तिरंगा अभियान को हरियाणा के गाँव-गाँव और घर-घर तक पहुँचाया जाएगा।

एजेंसी

चंडीगढ़। नारनौल के नूनी शेखपूरा मोड़ पर तिरंगा हाथों में लिए यूथ मैराथन व तिरंगा यात्रा में शामिल हुए रिकार्ड जन सैलाब को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नशा मुक्ति का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं 5 किलोमीटर दौड़ में शामिल होकर युवाओं का हौसला बढाया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सांसद धर्मबीर सिंह, नारनौल विधायक औमप्रकाश यादव, महेन्द्रगढ विधायक कंवर सिंह यादव, जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, यूथ मैराथन की ब्रांड ऐंबेस्डर व कॉमन वैल्थ गोल्ड मैडल विजेता शर्मिला धनखड़, पंकज नैन आईपीएस, उपायुक्त अनुपमा अंजली भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब किसी प्रदेश के युवा सुबह-सुबह तिरंगा हाथ में लेकर दौड़ने निकल पड़ते हैं, तब समझ लीजिए कि वह प्रदेश केवल विकास की नहीं, बल्कि जागरूकता, राष्ट्रभक्ति और उज्ज्वल भविष्य की दौड़ भी जीतने वाला है। अगर कोई मुझसे पूछे कि विकसित भारत की सबसे सुंदर तस्वीर कैसी होगी... तो मैं कहूँगा-हाथ में तिरंगा, जीवन में खेल और मन में नशा मुक्त भारत का संकल्प। उन्होंने कहा कि यह मैराथन केवल कुछ किलोमीटर की दौड़ नहीं है। यह स्वस्थ जीवन का संकल्प है। यह नशे के अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने का संकल्प है। आज नारनौल की धरती से यह संदेश पूरे हरियाणा में जाना चाहिए कि नशा जीवन को समाप्त करता है, जबकि खेल जीवन को संवारता है। 26 जुलाई को यमुनानगर से जो जन-जागरण की यह मशाल जली थी, आज नारनौल की धरती पर वह और अधिक प्रज्वलित दिखाई दे रही है। युवाओं का यह उत्साह बताता है कि हरियाणा नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह आयोजन हर घर तिरंगा अभियान का भी साक्षी है। वर्ष 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान शुरू हुआ यह अभियान आज देश का जन आंदोलन बन चुका है। इस वर्ष यह अभियान वंदे मातरम के 150 गौरवशाली वर्षों को समर्पित है। वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज़ है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की नई चेतना जगाई।

छुड़ानी में 1008 पौधे लगाने का लक्ष्य, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने किया पौधारोपण

हर घर तिरंगा अभियान के तहत गांव में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई।

एजेंसी

झज्जर। गांव छुड़ानी स्थित संत गरीबदास धाम के मुख्य चौक पर संत गरीबदास फाउंडेशन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाउंडेशन की प्रथम संरक्षक एवं ब्रह्मलीन पूज्य माता ओमवती के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में 1008 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत गांव में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। हरविंदर कल्याण ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। पेड़-पौधे प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित व स्वस्थ भविष्य के लिए इनका संरक्षण जरूरी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले। बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन का अभियान बनाने के लिए सभी को इसमें बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। फाउंडेशन अध्यक्ष आनंद सागर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में श्री महंत दया सागर का सानिध्य रहा।

इस अवसर पर रत्न सागर, छुड़ानी सरपंच विनोद, दुल्हेड़ा सरपंच मोनू, छारा मंडल अध्यक्ष प्रिंस देसवाल, कबलाना सरपंच उषा, बादली सरपंच आनंद, रेवाड़ी खेड़ा सरपंच रणवीर, संत सुरहेती, बुपनिया सरपंच आजाद, ब्लॉक समिति झज्जर अध्यक्ष जगदीप सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के आशवासन के बाद हारट्रोन कर्मचारियों का प्रदर्शन स्थगित

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन से कर्मचारियों में नई उम्मीद एवं विश्वास पैदा हुआ है।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पार्ट-टू एवं हारट्रोन कर्मचारियों को नियमित करने का आश्वासन दिए जाने के बाद कर्मचारियों ने 11 अगस्त को होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। कालका की विधायक शक्तिरानी शर्मा की मौजूदगी में कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल ने वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे पार्ट-टू एवं हारट्रोन कर्मचारियों के नियमितीकरण से संबंधित सभी कानूनी तथ्यों, प्रशासनिक दस्तावेजों एवं प्रमुख मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष विस्तार पूर्वक रखा गया। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की समस्याओं पर कानूनी पहलुओं को समझते हुए कर्मचारियों को नियमानुसार शीघ्र उचित एवं सकारात्मक कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री के इस सकारात्मक आश्वासन के बाद पार्ट-टू एवं हारट्रोन कर्मचारियों ने 11 अगस्त को पंचकूला में प्रस्तावित प्रदर्शन

को स्थगित करने का निर्णय लिया। कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का भी विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त किया कि उन्होंने अपनी व्यस्तता के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों को प्राथमिकता से सुना तथा उनके भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक रुख अपनाया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन से कर्मचारियों में नई उम्मीद एवं विश्वास पैदा हुआ है।

वर्तमान समय की मांग अनुसार विज्ञान, कम्प्यूटर और रोबोटिक्स की आधुनिक प्रयोगशालाएं की जा रही स्थापित - मुख्यमंत्री

21वीं शताब्दी की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे: सैनी

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान समय की मांग अनुसार विज्ञान, कम्प्यूटर और रोबोटिक्स की आधुनिक प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों के लिए प्रयोग, अनुसंधान और नवाचार के नए द्वार खोलेंगी। इसके साथ ही तकनीक से युक्त कक्षाएं सीखने की प्रक्रिया को युवाओं के लिए रुचिकर बनाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हिसार में ओ.पी. जिंदल मॉडर्न स्कूल में नई शिक्षा सुविधाओं के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्कूल परिसर में 'उत्कर्ष'

प्रशासनिक ब्लॉक, 'उदय' एसईएन विंग, 'उद्गम' स्विमिंग पूल तथा 'उत्सव' ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह पूर्व मंत्री, महान उद्योगपति, समाजसेवी और राष्ट्र निर्माता स्वर्गीय श्री ओ.पी. जिंदल की 96वीं जयंती के कार्यक्रमों की श्रृंखला की कड़ी में आयोजित किया जा रहा है। उस महान विभूति को श्रद्धापूर्वक नमन एवं वंदन करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्कूल में उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं नई पीढ़ी को वर्तमान युग की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में उपयोगी साबित होंगी। इस नई शुरुआत के लिए विद्यालय की प्रबंधन समिति और शिक्षक बधाई के पात्र हैं। वर्ष 1997 में शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्कूल का नाम ही ओ.पी. जिंदल मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रखा गया है।

इसमें मॉडर्न ढंग, तकनीक और मॉडर्न सोच के साथ, मॉडर्न नागरिक तैयार किये जाते हैं। इसलिए श्री ओपी जिंदल के सपनों को आगे बढ़ाने का संकल्प लें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विद्यालय में स्थापित इनोवेशन हब विशेष रूप से सराहनीय पहल है।

एसआईआर-2026, सुनवाई का नोटिस मिलने पर एईआरओ के पास अपना पक्ष रखने जरूर पहुंचे मतदाता: डीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने मतदाताओं से अपील की है कि वे प्रारूप फोटोयुक्त मतदाता सूची में अपना नाम, पता व अन्य विवरण जरूर जांचें। यदि किसी दावे या आपत्ति के संबंध में सुनवाई का नोटिस प्राप्त होता है तो मतदाता निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर संबंधित अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपने दस्तावेजों सहित पक्ष रखें। उन्होंने बताया कि एसआईआर-2026 के तहत प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित हो चुकी है। 30 अगस्त 2026 तक नाम जुड़वाने, विवरण में संशोधन तथा अन्य त्रुटियों से संबंधित दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं। इनका निस्तारण 28 सितंबर तक होगा, जबकि अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची 3 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। नाम नहीं है तो फॉर्म-6 से करें आवेदन डीसी ने कहा कि प्रारूप सूची में पात्र नागरिक का नाम नहीं है तो वह 30 अगस्त तक संबंधित बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रारूप सूची में नाम नहीं मिलने का अर्थ वोट स्थायी रूप से कटना नहीं है। वोटर लिस्ट में गलत विवरण के लिए फॉर्म-8 से कराएं सुधार डीसी ने बताया कि नाम, पता या अन्य विवरण में त्रुटि होने पर मतदाता फॉर्म-8 एवं घोषणा पत्र के माध्यम से संबंधित ईआरओ/एईआरओ के पास आवेदन कर सकते हैं।

कांग्रेस राज में नौकरी के लिए बिकते थे खेत, मकान और जेवर, भाजपा सरकार में युवा पढ़कर ले रहे हैं नौकरियां: डा. अर्चना गुप्ता

महिलाओं का कोई सच्चा अभिभावक है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हैं: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़/भिवानी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस राज में सरकारी नौकरी पाने के लिए युवाओं को नेताओं और बिचौलियों के चक्कर काटने पड़ते थे और गरीब परिवारों को खेत, मकान तथा जेवर तक बेचने पड़ते थे, जबकि भाजपा सरकार ने व्यवस्था बदलकर युवाओं के हाथ में सिफारिश की पर्ची की जगह किताब दी है। आज हरियाणा का युवा लाइब्रेरी में बैठकर मेहनत कर रहा है और योग्यता के आधार पर बिना पर्ची-बिना खर्ची सरकारी नौकरी हासिल कर रहा है। भिवानी के शकुंतला गार्डन में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन

समारोह को संबोधित करते हुए डा. अर्चना गुप्ता ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी बनाया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उसी व्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं।

डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भर्ती परीक्षाओं में 69 बार पेपर लीक हुए, लेकिन कांग्रेस सरकार कठोर कार्रवाई करने में विफल रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेपर लीक माफिया के खिलाफ कठोर कानून बनाया, जिसमें दोषियों के लिए 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि पहले बेखौफ घूमने वाले पेपर लीक माफिया अब कानून के डर से थर-थर कांप रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अधिकार देने का काम किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का ऐतिहासिक निर्णय मोदी सरकार ने लिया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने करोड़ों घरों में शौचालय बनवाए, उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई और प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को पक्के घरों का लाभ मिला। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2100 रुपये की सहायता और गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रही है।

भूमि रिकॉर्ड से जुड़ी सेवाओं में तेजी लाएं, लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करें : डॉ. सुमिता मिश्रा

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्त आयुक्त ने गुरुग्राम में राजस्व अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा चकबंदी विभाग की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गुरुग्राम जिला के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में पेपरलेस रजिस्ट्री और म्यूटेशन, डिमार्केशन, आधार सीडिंग, फॉर्मर रजिस्ट्री, डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों की समीक्षा के साथ साथ राजस्व सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में गुरुग्राम मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता, डीसी उत्तम सिंह सहित अन्य प्रशासनिक तथा

राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। डॉ सुमिता मिश्रा ने बैठक में पेपरलेस रजिस्ट्रेशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे तथा नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों द्वारा दिए गए ब्यौरे के अनुसार गुरुग्राम जिले की विभिन्न तहसीलों में कुल 53,529 टोकन में से 42,853 स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 1,364 मामले लंबित हैं। इनमें से 1,214 मामले 48 घंटे से कम अवधि के हैं, जबकि अन्य लंबित मामलों में 2-5 दिन, 5-10 दिन, 10-15 दिन तथा 15-25 दिन की श्रेणियां शामिल हैं। वहीं 6,018 मामले नागरिक स्तर पर लंबित दर्शाए गए हैं। डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि जहां भी विभागीय स्तर पर मामले लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और नागरिकों से संबंधित लंबित मामलों के समाधान के लिए भी प्रभावी समन्वय किया जाए। म्यूटेशन के मामलों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में कुल 2,88,105 इंतकाल दर्ज हैं, जिनमें 2,22,823 पूर्ण, 46,266 शामिल तथा 7,585 मामले लंबित हैं। इसके अलावा 5,116 मामले एंट्री स्तर पर, 2,468 स्वीकृति स्तर पर तथा 11,430 मामले निरस्त श्रेणी में दर्ज हैं। डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इंतकाल की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो तथा प्रत्येक स्तर पर मामलों की नियमित समीक्षा कर लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से आगे बढ़ाया जाए। डिमार्केशन के मामलों की समीक्षा करते हुए वित्त आयुक्त ने इस दिशा में भी अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

हर घर तिरंगा : गुरुग्राम जिला में आगामी 17 अगस्त तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम : डीसी उत्तम सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत गुरुग्राम जिले में आगामी 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान 150 वर्ष की 'वंदे मातरम्' की गौरवपूर्ण यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का हिस्सा है। अभियान का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। डीसी उत्तम सिंह ने अभियान को सफल बनाने के लिए विभागवार जिम्मेदारियां तय करने के उपरांत यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिला मुख्यालय के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। शॉपिंग मॉल, सिटी पार्क, रेलवे स्टेशन, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तिरंगा एवं वंदे मातरम् थीम पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा जिला में चार स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की विकास यात्रा पर आधारित लघु सचिवालय सहित चार स्थानों पर प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट लगाए जाएंगे। वहीं ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर भी प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। अभियान में ग्रामीण क्षेत्र में गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए डीडीपीओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिला में एडीसी सोनू भट्ट को इस पूरे अभियान का ओवर ऑल इंचार्ज बनाया गया है। डीसी ने बताया कि 12 अगस्त को गुरुग्राम में तिरंगा बाइक, साइकिल एवं ई-बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली का रूट नेहरू स्टेडियम, गुरुग्राम से राजीव चौक होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम तक रहेगा।

डीएलएफ को खुदरा कारोबार में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ अपने खुदरा पोर्टफोलियो को लेकर बेहद आशावादी है। कंपनी को उम्मीद है कि उपभोक्ताओं के मजबूत खर्च और उपभोग में लगातार वृद्धि के दम पर उसका खुदरा कारोबार बेहतर प्रदर्शन जारी रखेगा। डीएलएफ रिटेल की समूह की एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि प्रीमियम पेशकशों और बेहतर गुणवत्ता की बढ़ती मांग के कारण खरीदारों की संख्या (फुटफॉल) कोविड से पहले के स्तर से ऊपर पहुंच गई है और प्रति ग्राहक औसत बिक्री भी बढ़ रही है। उनका मानना है कि गुणवत्तापूर्ण खुदरा बिक्री की मूल मांग मजबूत बनी हुई है।` कंपनी ने हाल ही में पश्चिम दिल्ली में मिडटाउन प्लाजा जैसे हाइपरलोकल शॉपिंग सेंटर पेश किए हैं, जिनकी अवधारणा को लेकर काफी उत्साह है। बेक्टर ने कहा कि मिडटाउन प्लाजा, समिट प्लाजा और गोवा के डीएलएफ प्रोमेनेड जैसी तीन नई परियोजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य अपनी आय में 20 से 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना है। गुड़गांव में 20 लाख वर्ग फुट का मॉल ऑफ इंडिया भी पाइपलाइन में है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में डीएलएफ की किराया आय में फीसदी की वृद्धि हुई और कुल पोर्टफोलियो में 95 फीसदी ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई।

दवाओं की कीमतों पर लग सकती है नई लगाम, सरकार जांच रही ट्रेड मार्जिन का फॉर्मूला

- डीपीसीओ 2013 में बदलाव कर गैर-अनुसूचित दवाओं को दायरे में लाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार औषधि मूल्य निर्धारण ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 में ट्रेड-मार्जिन युक्तिकरण (टीएमआर) को शामिल करने के प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार कर रही है। इसका मकसद आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) से बाहर की गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करना है। दवा विभाग (डीओपी) ने संसदीय समिति को बताया कि इस नीतिगत निर्णय को अंतिम रूप देने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है, पर इसकी सक्रिय जांच चल रही है। आंकड़ों से पता चला कि गैर-अनुसूचित दवा बाजार के 87 प्रतिशत हिस्से में औसत मार्कअप 45 प्रतिशत तक था। वहीं केवल 4 प्रतिशत हिस्से में वितरकों को 100 प्रतिशत से अधिक का भारी मार्कअप मिला। विभाग ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक मार्जिन क्षेत्र में आम नहीं है, बल्कि यह बाजार के एक छोटे से खंड तक ही सीमित है। फार्मारैक डेटा के अनुसार टैबलेट और कैप्सूल जैसे सामान्य खुराक रूपों के लिए वितरकों से खुदरा विक्रेताओं तक का औसत संयुक्त मार्कअप लगभग 43 प्रतिशत रहा। डीओपी ने यह भी बताया कि व्यापार मार्जिन दवा की खुराक, लागत, बिक्री की मात्रा और वितरण मॉडल जैसे कारकों के आधार पर भिन्न-भिन्न होते हैं।

भारतीय इस्पात क्षेत्र में आई क्रांति, उदारीकरण ने बदली तस्वीर

- 1991-92 में इस्पात मंत्रालय की रिपोर्ट से शुरू हुआ बदलाव का दौर

नई दिल्ली।

भारत के इस्पात क्षेत्र ने 1991-92 में एक नए युग में प्रवेश किया, जब सरकार ने इसे लाइसेंसिंग और मूल्य नियंत्रण से मुक्त कर दिया। इस्पात मंत्रालय की उस वर्ष की रिपोर्ट ने घोषणा की कि इस्पात उत्पादन अब केवल सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, जिसने जुलाई 1991 की नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योग को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया। इस्पात पहला प्रमुख क्षेत्र था जिसे लाइसेंस की शर्त से मुक्त किया गया। अब क्षमता बढ़ाने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता समाप्त हो गई, केवल स्थान संबंधी कुछ पाबंदियां रहीं। 1 जनवरी, 1992 से सरकार ने कीमत और वितरण पर भी नियंत्रण खत्म कर दिए, जिससे सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की कंपनियों को सख्त नियम-कायदों से आजादी मिली। इन सुधारों ने विदेशी निवेश के रास्ते खोले और कच्चे माल तथा उपकरणों के आयात संबंधी बाधाएं कम कीं। परिणामस्वरूप, कभी सनसेट इंडस्ट्री कहे जाने वाले इस उद्योग का कायापलट हो गया। स्वतंत्रता के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के प्रभुत्व वाले इस उद्योग की कमान अब निजी कंपनियों के हाथों में आ गई, जिसने अगले तीन दशकों में तीव्र आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया। उदारीकरण से पहले 1990-91 में देश के 1.32 करोड़ टन इस्पात उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र की हिस्सेदारी 46 फीसदी थी, जबकि टाटा स्टील एकमात्र एकीकृत निजी उत्पादक था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 43, निफ्टी 13 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय के कारण भी बाजार धारणा कमजोर हुई। इसी कारण आज दिनर भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक बढ़कर 78,542.44 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13.15 अंक ऊपर आकर 24,583.80 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। वहीं, निफ्टी रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी50 इंडेक्स में टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, इटरनल, आईटीसी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट आई।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन, बाजाज फाइनेंस , बाजाज फिनसर्व , टाटा स्टील और एशियन पैंटस के शेयरों में रही। दूसरे और एसबआईएन , एनटीपीसी , आईटीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सीमित बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.81 अंक बढ़कर 78,676 अंक के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी करीब 50 अंक की बढ़त के साथ 24,620 अंक के स्तर पर पहुंच गया। ।कमजोर मानसून बाजार के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे टूटकर 95.25 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी से रुपये में अधिक गिरावट पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में फिसलकर 95.25 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 95.17 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी बढ़कर 99.70 पर पहुंच गया।

चीन में महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर पर, जुलाई में घटकर 0.5 फीसदी

- कमजोर मांग और ऊर्जा लागत में कमी प्रमुख कारण

नई दिल्ली।

चीन में महंगाई की रफ्तार जुलाई 2026 में उम्मीद से कहीं ज्यादा धीमी पड़ गई है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) घटकर 0.5 फीसदी रह गया, जो जून में 1 फीसदी था और बाजार की उम्मीद (0.8 फीसदी) से भी कम रहा। जनवरी के बाद यह सबसे निचला स्तर है।

फैक्ट्रियों के स्तर पर भी कीमतों की बढ़ोतरी धीमी हुई है, जो कमजोर मांग का स्पष्ट संकेत देती है। इस गिरावट की मुख्य वजह कमजोर उपभोक्ता मांग है, क्योंकि लोग अभी खुलकर खर्च नहीं कर रहे। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में नरमी ने भी दबाव कम किया है। जुलाई में खाने-पीने की चीजें 1.5 फीसदी सस्ती हुईं, यह लगातार चौथा महीना है जब इनमें गिरावट आई है। खासतौर पर पोर्क की अधिक आपूर्ति और कम खरीदारी ने कीमतों पर दबाव डाला। ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई भी जून के 4.1 फीसदी से गिरकर 0.4 फीसदी रह गई। हालांकि, इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई बढ़कर 2.9 फीसदी हो गई।

फैक्ट्रियों के स्तर पर भी कीमतें धीमी बढ़ी हैं। फैक्ट्री से निकलने वाले सामान की कीमतें सालाना आधार पर 3.5 फीसदी बढ़ीं, जो जून में 4.1 फीसदी थी। मासिक आधार पर भी उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 0.1 फीसदी और फैक्ट्री से निकलने वाले सामान की कीमतें 0.7 फीसदी कम हुईं। यह समग्र आर्थिक सुस्ती का संकेत देता है।

सीएनएच इंडिया की ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी,उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी कंपनी

- 2028 तक उत्पादन 1.2 लाख इकाई पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

कृषि उपकरण विनिर्माता सीएनएच की भारतीय इकाई ने वर्ष 2026 की पहली छमाही में घरेलू बाजार में रिकॉर्ड 30,248 ट्रैक्टर बेचकर 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और अपनी बाजार हिस्सेदारी को अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचाया। कंपनी ने बढ़ती मांग और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए ग्रेटर नोएडा में एक चौथे विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की भी घोषणा की है, जिससे इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सीएनएच इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी बताया कि जनवरी-जून 2026 में कंपनी की घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़कर 30,248 इकाई रही, जो उद्योग की 25 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक है।

इस दौरान निर्यात भी 20 प्रतिशत बढ़कर 6,666 वाहन हो गया, हालांकि अमेरिकी शुल्क से शुरुआत में कुछ बाधा आई थी। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन का श्रेय प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों, डीलर नेटवर्क विस्तार और वित्तीय सेवा इकाई सीएनएच कैपिटल के सहयोग को दिया। जीएसटी कटौती और अनुकूल मानसून ने पहली तिमाही में बिक्री को गति दी, और पूरे वर्ष मांग अच्छी रहने की उम्मीद है।

कंपनी ग्रेटर नोएडा में अपने मौजूदा संयंत्र के पास यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (येडा) से आवंटित 100 एकड़ भूमि पर चौथा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। 2028 की शुरुआत में चालू होने वाला यह संयंत्र कंपनी की वार्षिक ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को मौजूदा लगभग 70,000 वाहन से बढ़ाकर करीब 1.20 लाख वाहन कर देगा। सीएनएच इंडिया 2028 की दूसरी छमाही में 25-30 हॉर्सपावर श्रेणी का नया कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर भी पेश करेगी, जिसे घरेलू और वैश्विक बाजारों में उतारा जाएगा। वर्तमान में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 4.5 प्रतिशत है।

डीएलएफ का पेंटहाउस 271 करोड़ में बिका

- गुरुग्राम की द डहलियाज परियोजना में उद्यमी ने खरीदा

नई दिल्ली।

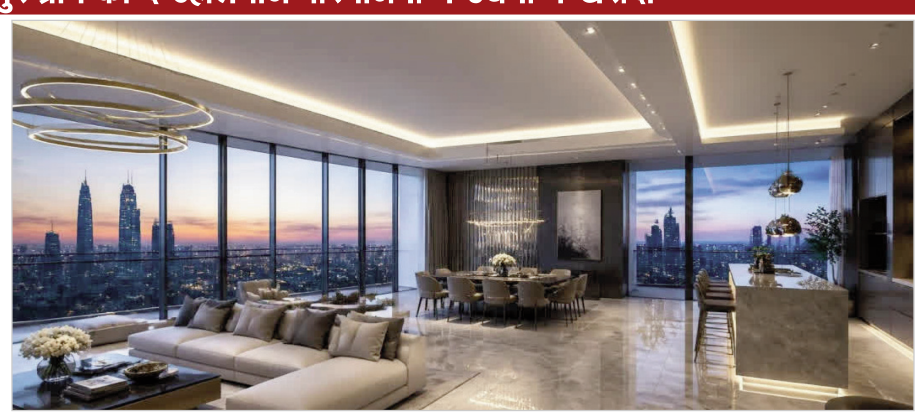

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम स्थित अपनी आगामी लक्जरी आवासीय परियोजना द डहलियाज में 271 करोड़ रुपये में एक पेंटहाउस बेचा है। सूत्रों के मुताबिक, यह सौदा देश के सबसे महंगे रियल एस्टेट सौदों में से एक है, जिसने प्रति वर्ग फुट कीमत के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। यह पेंटहाउस उद्यमी मानव सरदाना को बेचा गया है। डीएलएफ ने अक्टूबर 2024 में 17 एकड़ में फैली द डहलियाज परियोजना शुरू की थी, जिसमें 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सूत्रों के अनुसार, सुपर एरिया के आधार पर यह पेंटहाउस 1.58 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से बिका, जबकि कारपेट एरिया के हिसाब से कीमत करीब 2.6 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट बैठती है। कंपनी को इस परियोजना से 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिलने की उम्मीद है। अब तक इसकी 65 प्रतिशत से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। इस परियोजना में अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ से 170 करोड़ रुपये के बीच है।

पेंटहाउस की कीमत इससे भी अधिक है। डीएलएफ ने इस बिक्री पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

श्वेता आर्या बनीं महिंद्रा समूह की मुख्य रणनीति अधिकारी

मुंबई।

महिंद्रा ग्रुप ने श्वेता आर्या को अपना नया ग्रुप मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है।

इस भूमिका में आर्या समूह रणनीति कार्यालय का नेतृत्व करेंगी।

उनका मुख्य कार्य कंपनी के सभी व्यवसायों के साथ मिलकर नए विकास के अवसर खोजना और महिंद्रा को दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ दिलाना होगा। वह सीधे महिंद्रा समूह के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह को रिपोर्ट करेंगी और समूह कार्यकारी बोर्ड का भी हिस्सा होंगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे पहले, श्वेता आर्या कमिंस इंडिया में प्रबंध निदेशक के तौर पर कार्यरत थीं।

आईएफसी एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज में करेगी 225 करोड़ निवेश

- इक्विटी निवेश से टियर-2 और टियर-3 शहरों में बनेंगे आधुनिक वेयरहाउस

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने भारत में लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सोमवार को आईएफसी ने एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड में 225 करोड़ रुपये (लगभग 2.3 करोड़ डॉलर) के इक्विटी निवेश की घोषणा की। इस साझेदारी का प्राथमिक लक्ष्य देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में आधुनिक अवसंरचना का विकास करना है, जिससे आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज, एनडीआर समूह द्वारा स्थापित एक नया मंच है, जो इस निवेश का उपयोग 14 शहरों में लगभग दो करोड़ वर्ग फुट ग्रेड-ए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना विकसित करने के लिए करेगा। इन परियोजनाओं में सामान्य वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज दोनों शामिल होंगे, विशेषकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आईएफसी के अनुसार यह पहल छोटे शहरों में आधुनिक लॉजिस्टिक्स की कमी को दूर करेगी, विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देगी और संगठित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करेगी। आईएफसी के शलभ टंडन ने कहा कि इससे किसानों को बाजारों से बेहतर ढंग से जोड़ने और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने में भी मदद मिलेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

भारत में रिकॉर्ड निवेश की घोषणाएं, आईटीईएस,बिजली क्षेत्र सबसे आगे

- वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत में 26.75 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

नई दिल्ली।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मौजूदा वित्त वर्ष की शुरुआत से अगस्त के पहले सप्ताह तक भारत में कुल 26.75 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुईं।

इनमें से लगभग 56 प्रतिशत (14.98 लाख करोड़ रुपये) आईटी-आधारित सेवा (आईटीईएस) क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसका लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित है। बिजली दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जिसमें 6.86 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें चार परमाणु ऊर्जा कंपनियों का अनुमानित 6.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में लगभग 51,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुईं, जिसमें दो-तिहाई सोलर सेल और बैटरी से जुड़े हैं। अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, में भी लगभग 25,000 करोड़ रुपये का निवेश होना है। बुनियादी ढांचे के विकास के कारण एल्युमीनियम और इस्पात क्षेत्रों में भी निवेश बढ़ रहा है।

हालांकि, रिपोर्ट बताती है कि निवेश की घोषणाएं अभी भी कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित हैं और उपभोक्ता-केंद्रित उद्योगों जैसे वाहन और उपभोक्ता वस्तुओं में 2,000 करोड़ रुपये से कम का निवेश देखा गया है।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट पर साइकोएक्टिव पदार्थ के सेवन का संदेह

फुकेत-दिल्ली उड़ान में अचानक 300 फीट ऊंचाई घटने के बाद हुई थी घटना

नई दिल्ली।

नागर विमानन मंत्रालय ने हाल ही में पुष्टि की कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान के मुख्य पायलट को साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए शुरुआती जांच में संदिग्ध पाया गया है। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब हवा में विमान की ऊंचाई अचानक 300 फीट घट गई थी। मंत्रालय अब अंतिम परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एयरबस ए320 उड़ान (संख्या एआई2379) फुकेत से दिल्ली आते समय हवा में लगभग 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान को नियंत्रित कर दिल्ली में सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के दौरान तीन नवजात शिशुओं सहित 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य विमान में सवार थे, जिनमें से कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई थीं। मंत्रालय ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत घटना के बाद उड़ान चालक दल के दोनों सदस्यों की अनिवार्य साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच की गई। मुख्य पायलट का नमूना अंतिम पुष्टि के लिए एक तय प्रयोगशाला में भेजा गया है, जिसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया है। इस घटना को गंभीर श्रेणी में रखा गया है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। जांच के निष्कर्षों और अंतिम रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोने के समीकरण बदले! युद्ध नहीं, अब महंगाई और ब्याज दरें तय करेंगी दिशा

निवेशक अब संघर्षों को आंक रहे हैं महंगाई और मौद्रिक नीति के असर से

नई दिल्ली।

सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच चला आ रहा पारंपरिक संबंध अब बदल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार अब मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति जैसे कारक सर्राफा कीमतों को प्रभावित करने में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हो गया कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी लाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर क्या प्रभाव पड़ता है। एक जिंस शोध प्रमुख के अनुसार, युद्ध और सोने के बीच संबंध अब पहले की तुलना में अधिक परिस्थितियों पर निर्भर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में इसकी पारंपरिक मांग प्रभावित हुई।

वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली थी। हालांकि बाद में शुल्क वृद्धि ने उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को बढ़ाया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शुल्क अब आर्थिक वृद्धि के लिए ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति के लिए भी एक कारक बन गए हैं। इसने लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत की, जिससे डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों की वास्तविक प्रतिफल में तेजी आई और सोने की चमक फीकी पड़ी।

अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इसी बदलते रुख का उदाहरण है, जहां शुरुआती तेजी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की चिंता बढ़ी और सोने की कीमतें सुधर गईं। आगे चलकर मुद्रास्फीति का रुख, फेडरल रिजर्व के संकेत, वैश्विक नकदी की उपलब्धता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सट्टा निवेश सोने एवं चांदी की कीमतों के प्रमुख चालक बने रहेंगे।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

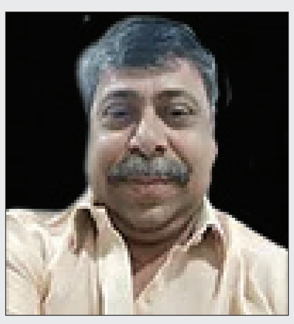

योगेन्द्र योगी

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना–दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई।

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार–हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।

आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

संपादकीय

बचाएं बचपन

बच्चों पर सोशल मीडिया की स्वच्छंदता से पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर भारतीय अभिभावक, शिक्षक व समाजविज्ञानी लंबे अरसे से गंभीर चिंता जताते रहे हैं। यह प्रभाव कितना भयावह व घातक है, ये बात पश्चिमी देशों की सरकारों, समाज व अदालतों को अब समझ में आई है। बच्चे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। किशोरों की यौन हिंसा और वयस्कों जैसे अपराधों में संलिप्तता, इसके घातक प्रभावों की बानगी है। सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। यही वजह है कि एक अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ संस्था मेटा पर 5,390 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना ज्यादा नहीं है क्योंकि पिछले साल कंपनी ने साठ अरब डॉलर का मुनाफा कमाया।

दरअसल, मेटा पर जुमार्ना लगाने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अदालत ने कंपनी को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये अपने प्लेटफॉर्म में बदलाव करने को कहा है। दरअसल, न्यू मेक्सिको की अदालत ने स्वीकारा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिये घातक हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कई राज्यों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमें चल रहे हैं। फ्रांस व आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर बच्चों की उम्र की सीमा तय की गई है। हकीकत यह है कि कंपनी ने ये प्लेटफॉर्म अपने मुनाफे के लिये इस तरह तैयार किए हैं ताकि बच्चों को इसकी लत लग जाए। पिछले दिनों भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों को बुलाकर विरोध जताया था कि उसके एक प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन भारी मुनाफा कमाकर प्रसारित किए गए। अमेरिकी अदालत ने भी माना है कि मेटा के प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रहे हैं। यही वजह कि कोर्ट ने लगाए गए जुमार्ने की राशि का एक भाग ऐसे पीड़ितों को मुआवजे के तौर पर देने के आदेश दिए हैं। समय आ गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को सामाजिक जवाबदेही के लिये बाध्य किया जाए। लेकिन यह नहीं हो कि अमेरिका के बच्चों के लिये अलग कानून और विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के लिये अलग कानून हो। हमारी सरकारों को भी इन सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निमार्ता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है।

आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है।

राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यतः सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं।

आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

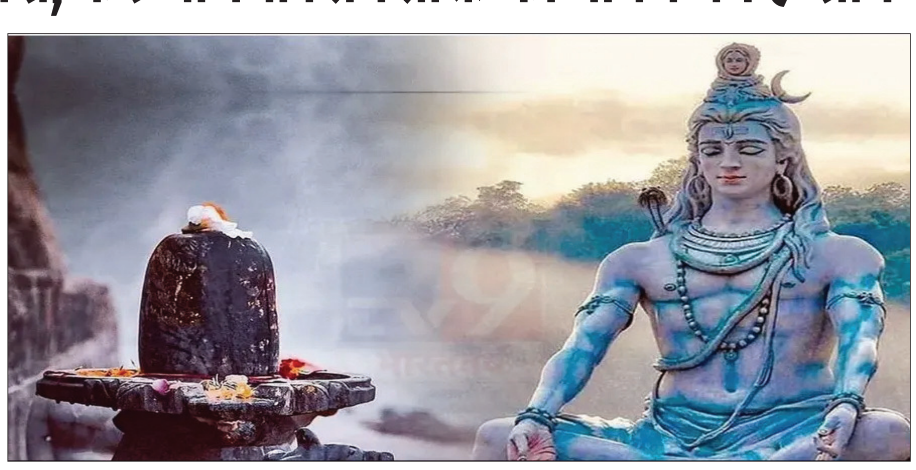

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

ॐ त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उवार्रूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष का कचरा बनेगा करोड़ों का कारोबार मलबा हटाएंगी कंपनियां, उपग्रहों की मरम्मत भी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष के हजारों निष्क्रिय उपग्रह, इस्तेमाल हो चुके रॉकेटों के हिस्से और टकराव से पैदा हुए मलबे के टुकड़े भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बन रहे हैं और इसी खतरे में निजी कंपनियां नए कारोबारी अवसर तलाश रही हैं। ऑर्बिट रडार के अनुसार अंतरिक्ष में करीब 30 हजार वस्तुओं को ट्रैक किया जा रहा है। इनमें लगभग 18,500 सक्रिय उपग्रह हैं, जबकि बाकी मलबा या इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थिति तेजी से बदल रही है। यहां हजारों उपग्रहों के साथ दशकों की अंतरिक्ष गतिविधियों से पैदा हुआ मलबा भी मौजूद है। यही संकट अब अंतरिक्ष में एक नए सेवा उद्योग की नींव रख रहा है। जापान की कंपनी एस्ट्रोस्केल ऐसे अंतरिक्ष यान विकसित कर रही है, जो कक्षा में जाकर निष्क्रिय वस्तुओं को पकड़ सकें और उन्हें हटाने में मदद करें। कंपनी ने कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया है। यह काम बेहद जटिल है। पृथ्वी की निचली कक्षा में वस्तुएं करीब 7 से 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चलती हैं और कई निष्क्रिय उपग्रह अनियंत्रित ढंग से घूमते रहते हैं। लक्समबर्ग की कंपनी क्लियरस्पेस मलबा हटाने से आगे बढ़कर उपग्रहों की जांच, मरम्मत, रखरखाव और उनकी उम्र बढ़ाने का बाजार तैयार करना चाहती है।

युद्ध का दंश: गाजा मददगारों ने इस्राइल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अंधेरे कंटेनर और बिजली के झटकों का किया दावा

पेरिस/इस्तांबुल, एजेंसी। मई मध्य में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला संगठन के कुछ कार्यकर्ता समुद्र के रास्ते सहायता लेकर गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान इस्राइली सैन्य बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। छूटने के बाद 24 में 22 कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। लात-घूंसों से पीटा गया, अंधेरे कंटेनरों में रखा गया। यही नहीं, उन्हें बिजली के झटके दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया। पीड़ितों ने बताया कि मई मध्य में लगभग 50 नौकाओं से 400 से अधिक कार्यकर्ता तुर्किये से रवाना हुए थे। उनका इरादा युद्धग्रस्त गाजा के लोगों के लिए भोजन और आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाना था। गाजा तट से काफी पहले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ही इस्राइली नौसेना के कमांडो ने इस बेड़े को अपने कब्जे में ले लिया। कार्यकर्ताओं को पहले इस्राइली जहाजों पर और बाद में दक्षिणी इजरायल के अश्दोद बंदरगाह पर लगभग तीन दिनों तक हिरासत में रखा गया। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते नजर आए थे। इस बीच, इस्राइल ने कार्यकर्ताओं के लगाए आरोपों को निराधार बताया है। ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता और कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि उन्हें एक शिपिंग कंटेनर के अंदर गंभीर रूप से पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। वहीं, इतालवी कार्यकर्ता डेरियो कैरोतेनुतो ने बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को बेहद तंग जगहों पर फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया।

पहले पति संग खूनी जंग, अब यूक्रेन के ड्रोन से मुकाबला; रूस की सबसे रईस महिला का साम्राज्य संकट में

मॉस्को/बर्लिन, एजेंसी। वह सात बच्चों की मां हैं, कभी अंग्रेजी टीचर रहीं और फिर जब यूरोपीय कैटलॉग से कपड़े बेचना शुरू किया तो किस्मत पलट गई। तात्याना किम की ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज ने रूस में अपना दबदबा बना लिया। उनके साम्राज्य का अंदाजा इसी से लगता है कि वह रशियन अमेजन कहलाती हैं। सबसे अमीर रूसी महिला को राष्ट्रपति पुतिन की सेना का साथ देने की सजा 49,000 करोड़ के नुकसान से चुकानी पड़ी है। उनका कारोबार यूक्रेन के 'ऑपरेशन वाइल्डबेरीज' का निशाना बन रहा है। तात्याना किम की कहानी में बारूद नया नहीं है। साल 2024 में जब उन्होंने क्रेमलिन यानी रूसी राष्ट्रपति भवन की मध्यस्थता से एक आउटडोर विज्ञापन कंपनी के साथ विलय किया, तो उनके पूर्व पति व्लादिस्लाव बकालचुक ने इसे कॉरपोरेट रेड करार दे डाला। विवाद इतना बढ़ा कि व्लादिस्लाव बाकायदा हथियारबंद चेचन लड़ाकों की फौज लेकर मॉस्को स्थित कंपनी के मुख्य दफ्तर पहुंच गया। रेड स्क्वायर के पास हुई इस खूनी गैंगवार में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 गंभीर रूप से घायल हुए।

एक सदी बाद मिटा गुमनामी का दाग: प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए थे 9,909 पंजाबी सैनिक; इतिहास में दर्ज हुआ नाम

लंदन, एजेंसी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए जान गंवाने वाले करीब 10,000 पंजाबी सैनिकों को आखिरकार एक सदी बाद आधिकारिक पहचान मिल गई है। वर्षों तक ब्रिटेन के सरकारी रिकॉर्ड में गुमनाम रहे इन सैनिकों के नाम अब कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन के रजिस्टर में दर्ज किए गए हैं। यह काम ब्रिटिश इतिहासकारों और अधिकारियों की वर्षों की मेहनत के बाद संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कवायद में 9,909 सैनिकों के नाम आधिकारिक शहीद रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं।

भारत में ब्रिटिश शासन के दौर में पंजाब के एक गांव में रहने वाले केसा सिंह भी उन सैनिकों में शामिल थे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने के लिए अपना घर-परिवार छोड़ दिया था। उन्होंने मौजूदा इराक के इलाके में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। ऑटोमन क्षेत्र में युद्ध के दौरान घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई और वह फिर कभी अपने घर नहीं लौट सके। हालांकि, ब्रिटेन के आधिकारिक रिकॉर्ड में उन्हें वह सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी, जिसकी उनके परिवार को उम्मीद थी।

लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार से कैसे मिली सैनिकों की पहचान : इन गुमनाम सैनिकों की पहचान का प्रयास 2014 में शुरू हुआ था। इसका नेतृत्व ब्रिटिश इतिहासकार और यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मंद्रा ने किया। शोध के दौरान पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार में प्रथम विश्वयुद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिकों के हाथ से लिखे नाम मिले। इन दस्तावेजों से सैनिकों की पहचान, उनके गृह नगर और कुछ मामलों में उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का भी पता चला।

14 लाख भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्वयुद्ध में निभाई थी भूमिका : 1914 से 1918 के बीच चले प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 14 लाख सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दी थी। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से आने वाले सैनिकों की थी। इन सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए विभिन्न युद्ध मोर्चों पर लड़ाई लड़ी, लेकिन युद्ध में जान गंवाने के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को आधिकारिक रिकॉर्ड में वह पहचान नहीं मिली, जो ब्रिटिश सैनिकों को दी गई थी। इंग्लैंड के लीसेस्टर में रहने वाले केसा सिंह के परपोते और डेंटिस्ट डॉ. इंदर सिंह पालाहे ने इस ऐतिहासिक बदलाव पर कहा कि अब उन्हें थोड़ा अधिक पूर्ण महसूस हो रहा है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में केसा सिंह की उम्र या उनकी मृत्यु की तारीख का उल्लेख नहीं है, लेकिन उनका नाम अब उन सैनिकों की सूची में दर्ज हो गया है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में अपनी जान गंवाई थी।

नस्ली भेदभाव के कारण क्यों छूट गए थे हजारों सैनिकों के नाम : ब्रिटेन ने दोनों विश्वयुद्धों में मारे गए ब्रिटिश सैनिकों की सूचियों को व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखा। इनकी संख्या 10 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों से आने वाले करीब 1 लाख सैनिकों और अन्य सैन्यकर्मियों के रिकॉर्ड को उसी तरह संरक्षित और दर्ज करने का प्रयास नहीं किया गया। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन के आधिकारिक इतिहासकार जॉर्ज हे के अनुसार, इन सैनिकों के नाम रिकॉर्ड से छूटने के पीछे भेदभावपूर्ण रवैया और तीन महाद्वीपों में फैले सैन्य संघर्ष के दौरान रिकॉर्ड तैयार करने की व्यावहारिक चुनौतियां, दोनों जिम्मेदार थीं।

2021 की जांच में भी सामने आया था नस्लवाद का पहलू : कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन की स्थापना 1917 में उन सैन्यकर्मियों की मौतों का रिकॉर्ड तैयार करने और उन्हें याद रखने के लिए की गई थी, जिन्होंने दोनों विश्वयुद्धों में ब्रिटेन की ओर से लड़ाई लड़ी थी। हालांकि, 2021 में हुई एक जांच में पाया गया था कि उपनिवेशों से आने वाले सैनिकों को आधिकारिक मान्यता नहीं मिलने के पीछे पूर्वाग्रह और नस्लवाद भी एक महत्वपूर्ण कारण था। अब वर्षों की खोज और ऐतिहासिक दस्तावेजों की पड़ताल के बाद 9,909 पंजाबी सैनिकों के नाम आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं। यह कदम उन भारतीय सैनिकों को एक सदी बाद सम्मान और पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई थी।

दुनिया का आखिरी परमाणु हमला, एक झटके में पिघली शरीर की चमड़ी, लाखों की हुई थी मौत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। 6 अगस्त और 9 अगस्त 1945, यह वह दो तारीखें हैं, जब पूरी दुनिया को परमाणु बमों के जोखिम और इनके इस्तेमाल से होने वाले सर्वनाश का पहली और आखिरी बार पता चला था। जहां पहली तारीख हिरोशिमा में अमेरिकी परमाणु हमले की है तो वहीं दूसरी तारीख अमेरिका के ही नागासाकी पर हमले की है। दोनों ही घटनाओं में 1.5 लाख से 2.5 लाख लोगों की जान चली गई थी। आज इन घटनाओं को 81 साल पूरे हो चुके हैं। आइये जानते हैं दुनिया के दो पहले और आखिरी परमाणु हमलों के बारे में। जापान में रोज की तरह एक सामान्य सुबह हुई थी। हर कोई अपने रोजमर्रा के काम को निपटा रहा था। कई लोग दफ्तर जा रहे थे। बच्चे स्कूल में पढ़ रहे थे। तभी जापानी समय के अनुसार 8:15 पर हिरोशिमा शहर के बीच में एक तेज धमाका हुआ, आंखों को अंधा कर देने वाली तेज रोशनी चमकी, आसमान की तरफ एक बड़ा धुएं का गुबार उठा और सब कुछ तबाह हो गया। इस सुबह ने हिरोशिमा के लोगों की जिंदगी में तबाही मचा दी। एक झटके में हजारों लोग मारे गए। यह हिरोशिमा पर परमाणु हमला था जो अमेरिका की तरफ से कराया गया था। इसके बाद 9 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के एक और शहर नागासाकी पर दूसरा परमाणु हमला किया। इन दोनों हमले में लाखों निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस हमला इतना भयानक था कि धमाके की आवाज से लोग बहरे हो गए। इसकी तेज रोशनी ने लोगों को अंधा कर दिया। धमाके से उत्पन्न होने वाली गर्मी से लोगों का चमड़ी पिघल गई थी।

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला : अमेरिकी ऊर्जा विभाग के द्वारा चलाए गए मैनहैटन प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट से पता चला कि 6 अगस्त, 1945 की सुबह, एनोला गे नामक एक बी-29 बमवर्षक विमान तिनियान द्वीप से उड़ान भरकर उत्तर-पश्चिम दिशा में जापान की ओर बढ़ रहा था। बमवर्षक का मुख्य लक्ष्य हिरोशिमा शहर था। हिरोशिमा की नागरिक आबादी लगभग 3,00,000 थी और यह एक महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र था, जिसमें लगभग 43,000 सैनिक थे। 509वें कम्पोजिट ग्रुप के कमांडर कर्नल पॉल टिब्बेट्स द्वारा संचालित बमवर्षक विमान ने हिरोशिमा समय के अनुसार लगभग 8:15 बजे एनोला गे ने शहर के ऊपर अपना 9,700 पाउंड का यूरेनियम गन-प्रकार का बम 'लिटिल बॉय' गिरा दिया। जापान इससे पहले हिरोशिमा के हमले से उबर ही पाता कि अमेरिका ने ठीक तीन दिन बाद जापान के नागासाकी पर हमला कर दिया। 9 अगस्त, 1945 को अमेरिकी वायुसेना के मेजर चार्ल्स स्वीनी द्वारा संचालित 'बॉक्सकार' नामक यूएसएएएफ बी-29 विमान से 'फैट मैन' गिराया गया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत पर अटकलें: सामने आया नया वीडियो क्या है इसकी सच्चाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चिंताओं के बीच उनका कथित नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने शनिवार को जारी किया। इस बिना तारीख वाले वीडियो में मोजतबा खामेनेई की तबीयत ठीक दिखाई दे रही है। वह कुछ लोगों के साथ बैठके हुए हैं और उनसे बातचीत कर रहे हैं। जबकि सामने बैठे लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह वीडियो कब बनाया गया था। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति मोजतबा खामेनेई ही है। हालांकि, शुक्रवार को ईरानवायर ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया था कि मोजतबा खामेनेई के 'बेहद गंभीर हालत' में होने की अफवाहें चल रही हैं।

इस्राइली मीडिया ने क्या दावा किया : इस्राइल के कुछ मीडिया संस्थानों ने भी खबर दी कि मोजतबा 'गंभीर हालत' में हैं। जेरूसलम पोस्ट ने एक सूत्र के हवाले से कहा, अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनने को मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।

अली खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च नेता बने मोजतबा : मोजतबा खामेनेई अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता बने। उनके पिता की 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में मौत हो गई थी। इन्हीं हमलों के बाद से युद्ध शुरू हुआ और अब भी जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन्हीं हमलों में मोजतबा घायल हो गए थे और उनके शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचने की भी आशंका जताई गई थी। उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद से वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। सर्वोच्च नेता बनाए जाने के बाद भी वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए। यहां तक कि पिछले महीने हुए अपने पिता के नमाज-ए-जनाजा में भी वह दिखाई नहीं दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोजतबा अपनी सुरक्षा के लिए ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे बात नहीं कर रहे हैं।

हिमांशी खुराना हत्याकांड का महीनों बाद खुला राज: एयरपोर्ट से साथी अब्दुल गफूरी गिरफ्तार, कनाडा में था वांटेड

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की दिसंबर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महीनों बाद उनके साथी 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूरी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है और वह कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

अब्दुल गफूरी को कहां से किया गया गिरफ्तार : टोरंटो निवासी गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि उस पर खुराना की 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' यानी पूर्व नियोजित और जानबूझकर की गई हत्या का

आरोप लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, टोरंटो पुलिस के भगोड़े आरोपियों को पकड़ने वाले दस्ते और हत्या की जांच करने वाली यूनिट ने गफूरी को कनाडा वापस लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सेवाओं के साथ मिलकर काम किया।

किस देश में था गफूरी, पुलिस ने क्यों नहीं बताया : हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारी से पहले गफूरी किस देश में था। पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई और जानकारी भी साझा नहीं की गई है। हिमांशी खुराना पिछले साल 20 दिसंबर को मृत पाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया था कि इससे एक दिन पहले, 19 दिसंबर को स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। अगले दिन पुलिस को उस समय दुखद जानकारी मिली, जब लापता महिला हिमांशी खुराना एक घर के अंदर मृत पाई गईं।

पुलिस को कब पता चला कि मामला हत्या का है : पुलिस ने पुष्टि की थी कि पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले को हत्या के रूप में दर्ज किया था। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय मूल की महिला की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। दूतावास ने कहा था कि अधिकारी पिछले कुछ दिनों से मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अब्दुल गफूरी 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' के आरोप में कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। यह एक गंभीर आपराधिक आरोप है, जिसमें अदालत में हत्या के पूर्व नियोजन और इरादे को साबित किए जाने पर पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

ब्राजील में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त: जंगल में आग लगी, तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत; कैसे हुआ हादसा

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो में एक हेलिकॉप्टर जंगल वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दमकल विभाग ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा शनिवार (स्थानीय समय) को सुबह करीब 11:11 बजे ऑल्टो दा बोआ विस्टा के विस्टा चिनेसा इलाके में हुआ। दमकल विभाग को घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में घने पेड़-पौधों वाले इलाके में हेलिकॉप्टर का मलबा मिला। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, विशेष दलों ने जमीन के रास्ते हादसे वाली जगह तक पहुंचकर राहत और बचाव का काम शुरू किया। हेलिकॉप्टर गिरने के बाद वहां आग भी लग गई थी, जिसे बुझाने के लिए दमकल की टीमें तैनात

की गईं। हादसे में हेलीकॉप्टर का पायलट और कोलंबिया की तीन महिलाएं सवार थीं। तीनों महिलाएं एक ही परिवार की सदस्य थीं। अधिकारियों ने शुरुआत में चार लोगों की मौत की पुष्टि की। लेकिन मृतकों की पहचान और अन्य जानकारी अभी जारी नहीं की गई। रियो डी जनेरियो के मेयर ने क्या कहा रियो डी जनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, विस्टा चिनेसा के पास तिजुका नेशनल पार्क में आज हुए हेलिकॉप्टर हादसे के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने बताया कि उन्होंने ब्राजील की विमानन एजेंसी (एएनएसी) के अधिकारियों से भी संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि रियो प्रशासन ने एएनएसी से तुरंत कार्रवाई करने और निगरानी बढ़ाने को कहा है। साथ ही, शहर में लगातार बढ़ रही हेलिकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जरूरी कदम उठाने और कार्रवाई में मदद के लिए रियो प्रशासन अपनी पूरी व्यवस्था एएनएसी को उपलब्ध कराएगा। इससे पहले जून में रियो के ऊपर दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए थे। मरने वालों में अमेरिकी गायक ओलिवर ट्री और अर्जेंटीना के यूट्यूबर गैस्पर प्रिम भी शामिल थे। पिछले साल ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य साओ पाउलो के पर्यटन शहर उबातुबा में समुद्र तट के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया था।

शर्तें मानेगा अमेरिका, तभी खुलेगा होर्मुज': आईआरजीसीकी चेतावनी; ओमान से समझौते के कितने करीब ईरान

तेहरान, एजेंसी। यमनी सशस्त्र बलों ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर मारिब शहर में फिर से हमले करने का आरोप लगाया है। यमनी सेना के मुताबिक, इन हमलों में रिहायशी इलाकों और विस्थापित लोगों के रहने वाले शिविरों को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी सशस्त्र बलों ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी एक बयान में शनिवार को हुए हमलों के लिए ईरान समर्थित हूतियों को जिम्मेदार ठहराया। बयान में कहा गया कि हमलों का निशाना मारिब शहर, उसके इलाकों और घनी आबादी वाले उन शिविरों को बनाया गया, जहां स्थानीय लोग और विस्थापित लोग रह रहे हैं।

हमले में दो लोगों की मौत और 14 घायल : इसी बीच, राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के सदस्य मेजर जनरल सुल्तान बिन अली अल-अरादा ने मारिब में सुरक्षा और सैन्य समिति के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सगीर बिन अजीज भी शामिल हुए। हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। एक सैन्य सूत्र के हवाले से बयान में कहा गया कि इन हमलों का जवाब उचित समय और उचित जगह पर दिया जाएगा। इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को 'पूरी तरह' स्वीकार करेगा। वहीं, तेहरान और ओमान ने कहा है कि वे इस अहम समुद्री मार्ग के लिए एक नए जहाजरानी प्रोटोकॉल पर समझौते के 'बहुत करीब' पहुंच गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए एक अहम समुद्री मार्ग है।

आईआरजीसी ने क्या कहा : आईआरजीसी के प्रवक्ता सरदार मोहेबी ने कहा कि जलडमरूमध्य को दोबारा खोलना 'कुछ खास व्यवस्थाओं और शर्तों' पर निर्भर करेगा। उनके अनुसार, जलडमरूमध्य तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को पूरी तरह स्वीकार करे और क्षेत्रीय बातचीत में दखल देना बंद करे। यह बयान उस समय आया, जब ईरानी अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नए प्रोटोकॉल और इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने की शर्तों को लेकर ओमान के साथ बातचीत की।

अमेरिका के सामने ईरान ने क्या शर्तें रखीं : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नई व्यवस्था पर समझौते तक पहुंचने के 'बहुत करीब' हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले कुछ अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी। इनमें अमेरिका की ओर से ईरान को मुआवजा दिया जाना भी शामिल है। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहम्मद बाघेर ज़ोलघद्र ने कई शर्तें बताईं। इनमें ईरान के खिलाफ अमेरिका की धमकियां बंद करना, फारस की खाड़ी के इस देश और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकना, नाकाबंदी में शामिल नौसेना और वायुसेना की ताकतों को वापस बुलाना, संघर्ष के दौरान हुए नुकसान का मुआवजा देना, प्रतिबंध हटाना और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को फिर से जारी करना शामिल है।

लड़ाई में हथियार घटने से अमेरिका परेशान: ईरान जंग ने खोली पोल; पेंटागन ने डिफेंस कंपनियों को दिया नया टारगेट

तेहरान, एजेंसी। ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिकी मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य गोला-बारूद के इस्तेमाल से हथियारों का भंडार काफी घट गया है। इसी चिंता के बीच पेंटागन ने रक्षा कंपनियों से उत्पादन क्षमता बढ़ाने और हथियारों की डिलीवरी में तेजी लाने की योजना मांगी है। कंपनियों को 21 दिनों के भीतर अपनी योजनाएं देने को कहा गया है। पैट्रियट और ञ्ञ।ष्ठ जैसे अहम एयर डिफेंस इंटरसेप्टर के घटते स्टॉक ने अमेरिका के सामने अपने रक्षा भंडार को तेजी से फिर से भरने की चुनौती खड़ी कर दी है।

पेंटागन आखिर हथियारों का उत्पादन बढ़ाने पर इतना जोर क्यों दे रहा है : पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि रक्षा विभाग गोला-बारूद की खरीद बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रहा है, ताकि 'हमारे सैनिकों को जरूरत और खतरे के मुताबिक तेजी से हथियार उपलब्ध कराए जा सकें।' उन्होंने पिछले हफ्ते इस प्रक्रिया में तेजी लाने के विभाग के प्रयासों की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जो पांच महीने पुराने संघर्ष से पहले ही शुरू हो चुका था।

डिफेंस कंपनियों को 21 दिनों में क्या योजना देने को कहा गया है : द वॉशिंगटन पोस्ट' को मिले एक मेमो के अनुसार, डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी स्टीव फीनबर्ग ने बुधवार को रक्षा उद्योग के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे महत्वपूर्ण क्षमताओं के लिए डिलीवरी शेड्यूल को 'काफी तेज और आक्रामक' बनाने और/या उत्पादन बढ़ाने की योजनाएं जमा करने को कहा है। कंपनियों को यह योजना तैयार करने के लिए 21 दिनों से ज्यादा का समय नहीं दिया गया है। फीनबर्ग ने पत्र में लिखा हमें अपने कार्यक्रमों की समय सीमा तेजी से आगे बढ़ानी होगी और अभी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी।

ईरान के साथ लड़ाई के बाद अमेरिकी मिसाइल भंडार पर कितना असर पड़ा : एक नए विश्लेषण के

अनुसार, यह मेमो ऐसे समय में आया है, जब ईरान के साथ हालिया लड़ाई में अमेरिकी सेना के उन्नत मिसाइल इंटरसेप्टर का भंडार और कम हो गया है। इससे यह चिंता बढ़ गई है कि अगर लड़ाई दोबारा शुरू होती है, तो अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के विश्लेषण के मुताबिक, पैट्रियट और ञ्ञ।ष्ठ इंटरसेप्टर के घटते भंडार के कारण अमेरिका और उसके मध्य-पूर्वी सहयोगियों को अपने एयर डिफेंस सिस्टम की सुरक्षा के लिए अधिक जोखिम उठाना पड़ सकता है।

कम मिसाइलें होने पर अमेरिकी एयर डिफेंस के सामने क्या चुनौती होगी : विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ईरान की ओर से आने वाले ड्रोन और मिसाइलों के खिलाफ कम संख्या में इंटरसेप्टर दाग सकती है। इसका सीधा असर एयर डिफेंस की प्रभावशीलता पर पड़ सकता है और आने वाली मिसाइलों या ड्रोन के बच निकलने की संभावना बढ़ सकती है।

ट्रंप ने हथियारों की कमी की खबरों पर क्या कहा : हाल के दिनों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोला-बारूद की कमी से जुड़ी सार्वजनिक रिपोर्टों पर नाराजगी जताई है। गुरुवार को उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के पास 'भारी मात्रा में' हथियारों का भंडार है। जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में इनका उत्पादन किया जा रहा है और अमेरिका भेजा जा रहा है।

शनिवार को शॉन पार्नेल ने पुष्टि की कि हथियारों का उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए फीनबर्ग की ओर से भेजा गया मेमो 'वास्तविक' है। उन्होंने कहा कि यह मेमो कांग्रेस के समक्ष फंडिंग के लिए पेश किए जाने वाले वित्त वर्ष 2028 के बजट की तैयारियों में मदद करेगा। पार्नेल ने इसे रक्षा औद्योगिक आधार को फिर से मजबूत करने के पेंटागन के जारी प्रयासों के अनुरूप बताया। कांग्रेस में फिलहाल रक्षा खर्च से जुड़ा एक विधेयक अटका हुआ है। सांसद ईरान के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को लेकर नाराज हैं और व्हाइट हाउस की उस मांग का विरोध कर रहे हैं, जिसमें पेंटागन का बजट पिछले साल के करीब 900 अरब डॉलर से बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डॉलर करने की बात कही गई है।

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

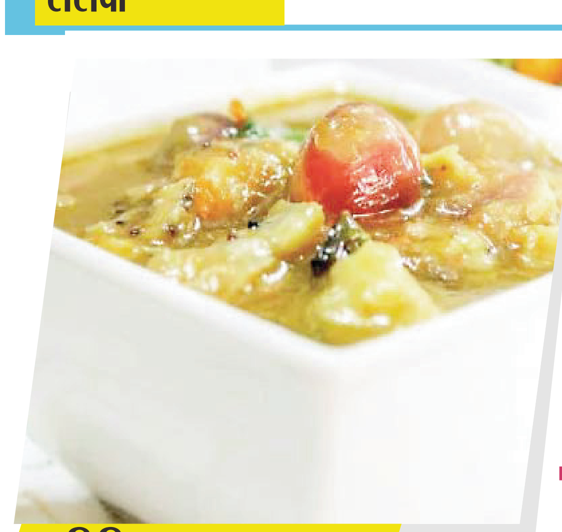

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए भरावन के लिए
- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1803

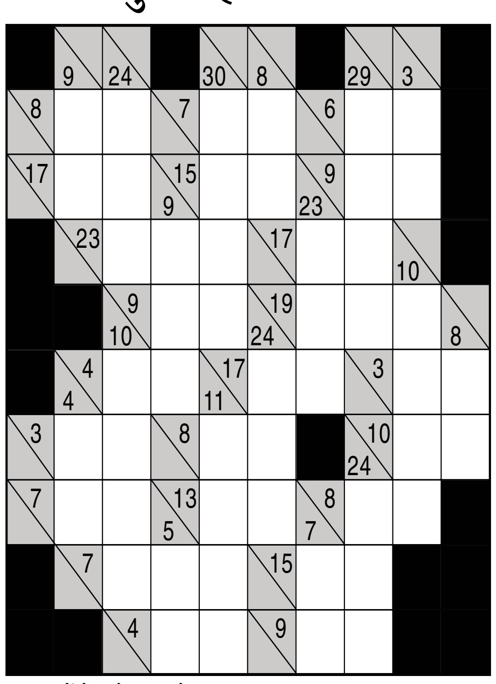

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

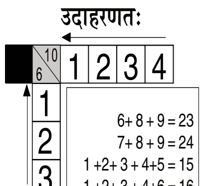

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1802 का हल

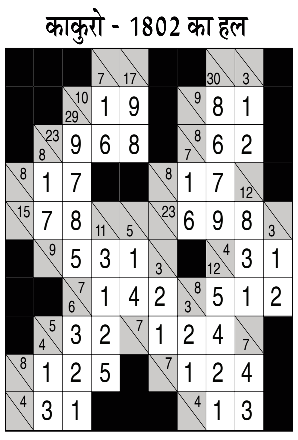

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा- 'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा- 'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला- 'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला- 'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा- 'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला- 'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता- 'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता- 'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1803

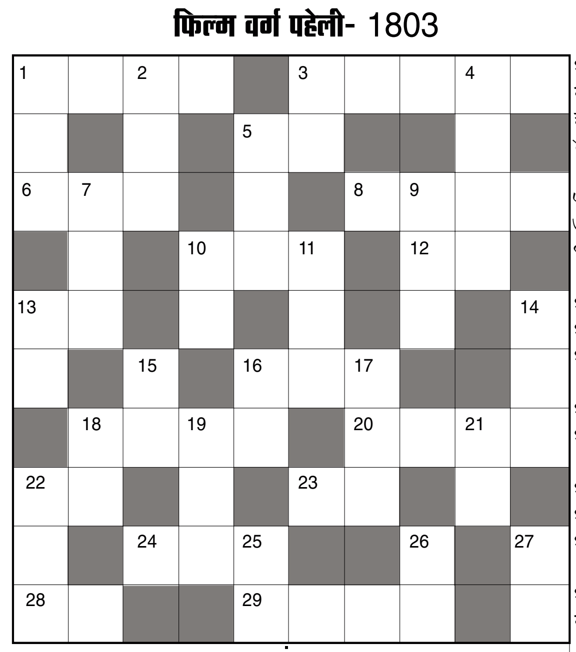

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 1802

सूडोकु -1803

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1802 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 1803

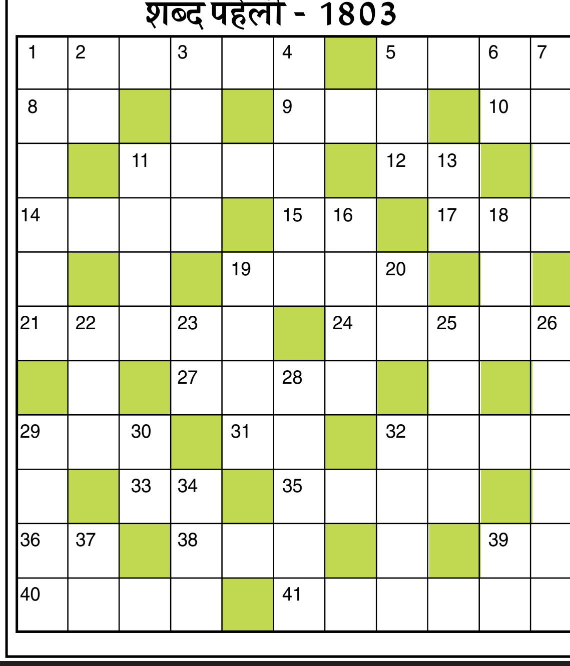

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 1802 का हल

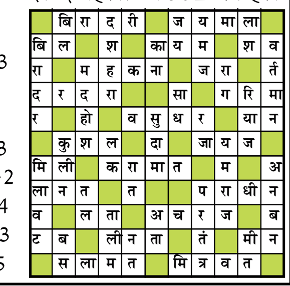

दीपोत्सव से पहले अयोध्या को मिलेगी दशरथ पथ की सौगात, त्रेतायुग की स्मृतियों से जुड़ेगा रामनगरी का नया मार्ग

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में विकास के साथ अब त्रेतायुग की स्मृतियों को भी नए स्वरूप में संजोया जा रहा है। दीपोत्सव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी सौगात के रूप में दशरथ पथ आकार लेने जा रहा है। 15.390 किलोमीटर लंबा यह भव्य फोरलेन मार्ग श्रद्धालुओं को त्रेतायुग के उस भावुक अध्याय से जोड़ने का काम करेगा, जहां भगवान श्रीराम के पिता चक्रवर्ती महाराज दशरथ की स्मृतियां आज भी जीवंत हैं। साकेत पेट्रोल पंप से बिल्वहरी घाट स्थित महाराज दशरथ के समाधि स्थल तक पहुंचने वाला यह मार्ग न केवल अयोध्या की यातायात व्यवस्था को नई रफ्तार देगा, बल्कि श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के बीच त्रेतायुग की अनुभूति भी कराएगा। दशरथ पथ पर कदम बढ़ाते ही मानो रामनगरी की प्राचीन स्मृतियों और आधुनिक अयोध्या का संगम दिखाई देगा। जिसकी कुल लागत 418.98 करोड़ रुपये है। यह मार्ग 14 मीटर चौड़ा बनाया जा रहा है। परियोजना का लगभग 92 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। दीपोत्सव से पहले इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि शहर के निवासी और श्रद्धालु दोनों इसका लाभ उठा सकें। इस मार्ग पर आधुनिक लाइटें लगाई जाएंगी।

जब तक मैं जीवित हूं, आरक्षण खत्म नहीं किया जा सकता: डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

जयपुर । राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा के नांगल प्यारिवस में पंच अथाई में आयोजित एक आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं तब तक आरक्षण को खत्म नहीं किया जा सकता है। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने आरक्षण खत्म किए जा सकने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा, 'जब तक किरोड़ी के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता।' मंत्री ने आदिवासी युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए मिलकर काम करने की अपील भी की। किरोड़ी लाल मीणा टिटोली टोल प्लाजा से अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां लोगों की भारी भीड़ ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मीणा के राजनीतिक जीवन और संघर्षों पर आधारित एक किताब भी लॉन्च की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक सफ़र के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने लगभग 600 आंदोलनों में हिस्सा लिया है, 17 बार जेल गए हैं और 138 कानूनी मामलों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवमय हुआ प्रदेश, मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रयागराज । सावन महीने के दूसरे सोमवार को उत्तर प्रदेश के शिव मंदिरों में भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवालयों के बाहर भक्तों और कांवड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारें लगाते हुए श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। प्रयागराज के ऐतिहासिक दशाश्वमेध और ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। भक्त भगवान शिव को गंगा जल अर्पित कर आशीर्वाद, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी सोम जी शास्त्री ने कहा, 'इस जगह का मुख्य महत्व यह है कि प्राचीन काल में, भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना शुरू करने से पहले यहां अश्वमेध यज्ञ किया था और ब्रह्मेश्वर महादेव की स्थापना की थी। यहां दो शिवलिंग हैं- दशाश्वमेध महादेव और ब्रह्मेश्वर महादेव। माना जाता है कि वर्तमान दशाश्वमेध महादेव स्वयंभू (स्वयं प्रकट हुए) हैं। '

सूरत में रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या मामले में स्वास्थ्य मंत्री ने दिए 24 घंटे में जांच रिपोर्ट देने के निर्देश

सूरत । गुजरात के सूरत स्थित सिविल अस्पताल परिसर में एक रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या के मामले के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने सख्त जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री के निर्देश पर मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है और 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर की पहचान डॉ. हर्ष पंड्या के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अरावली जिले के मोडासा के रहने वाले थे और सूरत सिविल अस्पताल परिसर में स्थित लड़कों के पीजी हॉस्टल के कमरा नंबर 1005 में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, उन्होंने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलने के बाद खातोदरा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटना के बाद पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिर किन परिस्थितियों के चलते रेजिडेंट डॉक्टर ने यह कदम उठाया।

घबराइए मत, कराएंगे हर समस्या का समाधान: सीएम

अफसरों को दिए निर्देश, हर पीड़ित की समस्या का हो समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

एजेंसी

गोरखपुर। शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

घबराइए मत, कराएंगे हर समस्या का समाधानः सीएम योगी

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी

समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

घबराइए मत, कराएंगे हर समस्या का समाधानः सीएम योगी

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

तमिलनाडु विधानसभा में राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन का प्रस्ताव पारित

इस सलाह में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 28 जनवरी के उसके निर्देश का 'सख्ती से पालन' करने को कहा गया था। इस निर्देश में आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के गायन की बात कही गई थी।

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में आज राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन को अनिवार्य करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। इसे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पेश किया। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। विजय ने अपने संबोधन में कहा, ''तमिल केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारा जीवन और हमारी भावनाएं हैं। मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी अपनी मां।'' प्रस्ताव के अनुसार, तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी

कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की शुरुआत अब राज्य गीत से की जाएगी। मुख्यमंत्री विजय ने तमिल भाषा की महानता और भारतीय संघीय व्यवस्था में 'तमिल थाई वाज्थू' के महत्व को रेखांकित करते हुए बेहद भावुक भाषण दिया। उन्होंने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की। विजय ने कहा, ''दुनिया की सभी भाषाएं संचार का माध्यम हैं। हमारे लिए तमिल केवल बोलने की भाषा या ध्वनि नहीं है। यह हमारी जान, भावना और पहचान है। उन्होंने कहा कि 1891 में लेखक मनोन्मणियम सुंदरनार के नाटक के पायिरम (प्रस्तावना) में शामिल तमिल थाई वाज्थू भारत के माथे पर तिलक की तरह तमिलनाडु को गौरव प्रदान करता है। उन्होंने याद दिलाया कि तमिलनाडु में 23 नवंबर 1970 से सरकारी समारोहों में तमिल थाई वाज्थू को प्रमुखता से गाया जाता रहा है और 17 दिसंबर 2021 को इसे आधिकारिक रूप से राज्य गीत के रूप में मान्यता दी गई। उल्लेखनीय है कि यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय की हालिया सलाह के बाद उठाया गया है।

अमित शाह 16 अगस्त को अलवर दौरे पर, नए डेयरी प्लांट की रखेंगे आधारशिला

एजेंसी

अलवर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 16 अगस्त को अलवर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान विजय नगर मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर में प्रेस वार्ता कर अमित शाह के दौरे और प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी दी। भूपेंद्र यादव ने बताया कि 16 अगस्त को अलवर सरस डेयरी के लिए महत्वपूर्ण दिन होगा। अमित शाह नए डेयरी प्लांट की आधारशिला रखेंगे। लंबे समय से अलवर डेयरी की क्षमता बढ़ाने और नए प्लांट की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इसके लिए करीब 250 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। इस दौरान करीब 700 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण होगा।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि नए प्लांट के शुरू होने के बाद सरस डेयरी की क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। वर्तमान उत्पादों के साथ भविष्य में चॉकलेट और अन्य नए डेयरी उत्पाद तैयार करने की दिशा में भी काम किया जा सकेगा। इससे दुग्ध समितियों का विस्तार होगा और किसानों एवं पशुपालकों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बड़ी राशि उपलब्ध कराई है।

गुरमीत राम रहीम के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

छत्रपति के बेटे ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

एजेंसी

नई दिल्ली । पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्या मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में गुरमीत राम रहीम और और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में 16 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार अपील में नहीं आई है। छत्रपति के बेटे ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मार्च 2026 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के 2002 के पुराने मामले में बरी कर दिया था। अदालत ने पर्याप्त सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए निचली अदालत के उम्रकैद के फैसले को पलट दिया। हालांकि, इस मामले में शामिल अन्य तीन दोषियों की सजा बरकरार रखी गई थी।

बता दें कि अक्टूबर 2002 में छत्रपति को उनके घर के बाहर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। इलाज के दौरान 21 नवंबर 2002 को उनकी मृत्यु हो गई थी। छत्रपति की हत्या के मामले में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने जनवरी 2019 में राम रहीम और कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई थी। डेरा प्रमुख और अन्य सह-आरोपियों ने स्पेशल सीबीआई कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

'गुरुजी जिंदा होते तो हमारे साथ खड़े होते', शिबू सोरेन का नाम लेकर देवेंद्र नाथ महतो ने साधा निशाना

एजेंसी

रांची। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि वह पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, इसके बावजूद छात्रों के आंदोलन में शामिल होने के लिए विधानसभा की ओर आए हैं। उन्होंने कहा कि वह चलने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए एंबुलेंस से पहुंचे और अब स्ट्रेचर के जरिए मार्च में आगे बढ़ रहे हैं। महतो ने कहा कि सरकार को छात्रों की मांगें माननी होंगी। उन्होंने आंदोलन जारी रखने का ऐलान करते हुए कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से फैसला नहीं करती, तब तक छात्रों का संघर्ष जारी रहेगा। विधानसभा घेराव मार्च के दौरान देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि वह अपनी जान जोखिम में डालकर आंदोलन में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चल नहीं सकता। किसी भी समय पुलिस के साथ टकराव की स्थिति बन सकती है, भगदड़ हो सकती है। मैं जानता हूं कि मैं दौड़ नहीं सकता। पुलिस की ओर से आंसू गैस के गोले भी छोड़े जा सकते हैं। इसके बावजूद मैं यहां आया हूं।' उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाना है। महतो ने स्पष्ट किया कि सरकार जब तक छात्रों की मांगें नहीं मानती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

देवेंद्र नाथ महतो ने विधानसभा घेराव मार्च के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'गुरुजी शिबू सोरेन ने पूरी जिंदगी संघर्ष किया और पूरी जिंदगी आंदोलनों का नेतृत्व किया। अगर आज वह हमारे बीच होते तो हमारे आंदोलन में जरूर शामिल होते।'

विधानसभा में सरकार का दावा, 98 फीसदी मांगें मानीं, मंत्री बोले-भाजपा ने हाईजैक किया आंदोलन

परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के लिए विशेष जांच दल यानी एसआईटी पहले से काम कर रहा है।

एजेंसी

रांची । झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र जहां पुलिस के तमाम बैरिकेड तोड़कर विधानसभा के करीब पहुंच गए, वहीं दूसरी ओर सदन के अंदर भी छात्र आंदोलन की गूंज रही। सोमवार को सदन की कार्यवाही भाजपा विधायकों की गैरमौजूदगी में शुरू हुई। सदन शुरू होने के पहले भाजपा विधायक नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अगुवाई में सीएम हाउस घेरने पहुंच गए थे, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। निरसा के सीपीआई एमएल

विधायक अरूप चटर्जी ने आंदोलनकारी छात्रों के साथ सरकार की बातचीत का पूरा ब्योरा सदन के पटल पर रखने की मांग की। इसके जवाब में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सरकार और छात्रों के बीच हुई बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों की करीब 98 प्रतिशत मांगें मान ली हैं। मंत्री ने कहा कि छात्रों की मांगों पर विचार के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने उनकी मांगों को मुख्य रूप से तीन हिस्सों में रखा है। इनमें परीक्षा से जुड़े मामलों की जांच, विवादित परीक्षाओं को रद्द करना और भर्ती व्यवस्था में सुधार शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के लिए विशेष जांच दल यानी एसआईटी पहले से काम कर रहा है। वित्तीय अनियमितताओं के पहलू सामने आने पर सरकार प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी से जांच कराने के लिए भी तैयार है। विवादित आउटसोर्स एजेंसी से कराई गई परीक्षाओं की समीक्षा और आवश्यक होने पर उन्हें रद्द करने पर भी सरकार ने सहमति जताई है। मंत्री ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय यानी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का मामला उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में लंबित है। ऐसे में सरकार ने इसकी जांच की निगरानी के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति बनाने का प्रस्ताव दिया था। छात्रों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

भर्ती परीक्षाओं में सुधार को लेकर मंत्री ने कहा कि नई मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी तैयार की जाएगी। इसके लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची और जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट जमशेदपुर जैसे संस्थानों से विशेषज्ञ सुझाव लिए जाएंगे। सरकार का प्रयास भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने का है। उधर, विधानसभा के बाहर छात्रों का प्रदर्शन जारी रहा।

बांकीपुर हार के बाद राजद में संगठनात्मक मंथन

तेजस्वी के नेतृत्व में नई टीम की तैयारी तेज

एजेंसी

पटना । बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी शिकस्त के बाद पार्टी के भीतर संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की कवायद तेज हो गई है। पार्टी ने बिहार में प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक की सभी कमेटियों को भंग कर दिया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव नई टीम में किन चेहरों को जगह देते हैं और संगठन की कमान किस तरह नए सिरे से तय करते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नई टीम के गठन में तेजस्वी यादव अनुभव और युवा ऊर्जा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर सकते हैं। लालू प्रसाद यादव के पुराने और करीबी नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना

है। माना जा रहा है कि पार्टी के मुश्किल दौर में साथ खड़े रहे वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का इस्तेमाल संगठन को मजबूत करने में किया जाएगा। वहीं, जिन नेताओं का कोई प्रभावी विकल्प नहीं है, उन्हें उनकी उम्र और भूमिका के अनुरूप जिम्मेदारी देकर सम्मान बनाए रखने की रणनीति अपनाई जा सकती है। इसके साथ ही तेजस्वी यादव अपने भरोसेमंद और करीबी नेताओं को भी संगठन में अहम स्थान देने पर विचार कर रहे हैं। युवा चेहरों को आगे लाने के साथ-साथ ऐसे कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है, जिनकी संगठन और जमीनी राजनीति पर मजबूत पकड़ है।

राजद के लिए यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 25 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी। चुनाव के बाद कई चर्चित नेताओं के पार्टी छोड़कर दूसरे दलों का रुख करने से संगठन को लेकर सवाल भी उठे हैं। अब नई टीम के जरिए पार्टी इन चुनौतियों का जवाब तलाशने की कोशिश करेगी। वहीं, बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों ने पार्टी के भीतर मतभेद को भी सतह पर ला दिया है। राजद विधायक भाई वीरेंद्र और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव के बीच जुबानी जंग ने संगठनात्मक स्थिति को लेकर चर्चा और तेज कर दी है। ऐसे में नई कमेटियों का गठन केवल संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या ने भी नई टीम के गठन को लेकर अपनी अपेक्षाएं जाहिर की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पार्टी की इकाइयों और प्रकोष्ठों को भंग करने का निर्णय काफी पहले लिया जाना चाहिए था। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई इकाइयों के पुनर्गठन में कट्टर लालूवादियों, वर्षों से निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं, संगठन की समझ रखने वालों और जमीन से जुड़े जुझारू नेताओं को प्राथमिकता मिलेगी।

मप्र में चार नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ, मुख्यमंत्री डॉ यादव और केंद्रीय मंत्री नायडू ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में एक बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के साथ मध्य प्रदेश में चार नई सीधी हवाई सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर इनका शुभारंभ किया। भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता सीधी हवाई सेवाओं से प्रदेश के विंध्य और महाकौशल अंचल को राजधानी भोपाल तथा पूर्वी भारत के प्रमुख महानगर कोलकाता एवं पटना से सीधा हवाई संपर्क मिला है। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री ने भोपाल से रीवा तक जाने वाली अलायन्स एयर की नवप्रारंभ

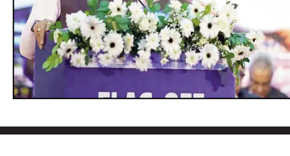

फ्लाइट के यात्रियों को बोर्डिंग पास भी वितरित किए।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल से रीवा की इसी फ्लाइट में बैठकर रीवा के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चार नई हवाई सेवाओं के शुभारंभ अवसर पर राजा भोज विमानतल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इसे मध्य प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार का 'ऐतिहासिक दिन' बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज मध्य प्रदेश के विकास और नागरिक सुविधाओं को नए पंख लग रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भोपालवासियों को बधाई देते हुए कहा कि अगले दो महीने के भीतर भोपाल से शारजाह तक सीधी अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए तेजी से काम कर रही है। बीते तीन साल में ही प्रदेश में रीवा, सतना और दतिया के रूप में तीन नए एयरपोर्ट प्रारंभ हो गए हैं। उज्जैन और शिवपुरी में भी नए एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली। ड्ढड्ढश्च के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो– स्मैकडाउन, जून 2003–** 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना– WWE E&treme Rules 2012–** ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर– WWE No Mercy 2002–** ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस– WWE WrestleMania 31, 2014–** 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। व

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश टी-20

भुवी की लखनऊ फाल्कन्स की नजर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर

बोले- युवाओं के लिए है बड़ा प्लेटफॉर्म

लखनऊ। यूपी टी20 लीग 2026 का आगाज 14 अगस्त से होगा। लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने लीग को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने टीम की तैयारियों और इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद भी जताई। युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को अपने करियर के लिए अहम बताया। यूपी टी20 लीग की शुरुआत 14 अगस्त 2026 से होगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने मीडिया से बातचीत की। (फोटो सोर्स– विशेष व्यवस्था) यूपी टी20 लीग का नया सीजन 14 अगस्त से शुरू होना है। इस बार लीग के मुकाबले दो वेन्यू लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम और कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आगाज से पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने लीग के महत्व और अपनी टीम 'लखनऊ फाल्कन्स' की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर– लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने यूपी टी20 लीग को युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार अवसर है। लीग में कई इंटरनेशनल खिलाड़ी खेल रहे हैं। युवा खिलाड़ियों को उनके साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलता है'' भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''खिलाड़ी अपनी योग्यता और प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ सकते हैं।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक रंजन ने लगाई हाफ सेंचुरी

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स

के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी– नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए।

अशिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14–21, 21–14, 21–14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3–0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9–5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11–11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी

अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6–6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता 11–8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17–10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21–14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद की वापसी

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5–2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड–गेम ब्रेक तक हान 11–9 से आगे निकल गईं। अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12–11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19–14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी

अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने ड्ढङ्घस्न टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

- *चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे*

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

- **सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया–** ड्ढष्टष्ठ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित ड्ढष्टष्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टहृश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका–ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।
- **प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया–** श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।
- वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।
- **नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की –** नामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म–अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

'खिलाड़ी मशीन नहीं'

फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण:कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण ड्ढष्टष्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टश्वश्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा– ष्टश्वश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं– लक्ष्मण ने कहा– 'ष्टश्वश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है

लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा– 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा– खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। ष्टश्वश्व के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है

ड्ढष्टष्ठ सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

यशस्वी ने डक पर आउट होने के बाद की शानदार वापसी

श्रीलंका 11 के खिलाफ 2 छक्के 9 चौकों के साथ लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लय में आ गए हैं और ये टीम इंडिया के लिए काफी सुखद खबर है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कमाल की वापसी की और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेलकर रिटायर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाया अर्धशतक– पहली पारी में असफल रहने के बाद यशस्वी ने कमाल की वापसी दूसरी पारी में की और उन्होंने काफी आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की।

सिराज ने तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी– वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में चरु राहुल ने कप्तानी की।

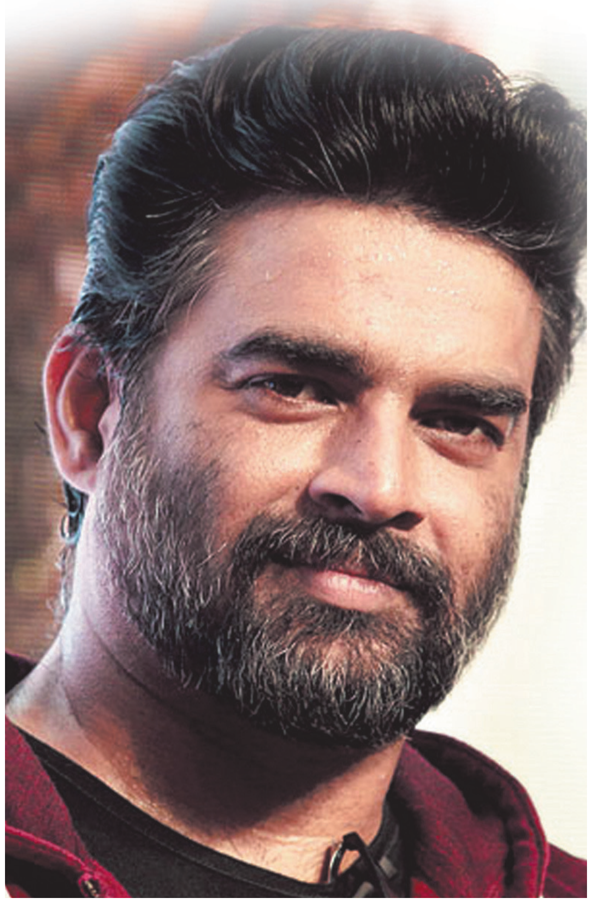

मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है

एक्टर आर. माधवन ने हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मिलने वाली राजनीतिक आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर कई लोग उन्हें 'संघी' कहकर बुलाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध या उनके प्रति झुकाव है। उनका कहना है कि जो भी सरकार अच्छा काम करती है, वह उसकी सराहना करने में यकीन रखते हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो। हाल के वर्षों में 'रॉकेट्री: द नम्बी इफेक्ट' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को लेकर कुछ लोगों ने उन पर सरकार सपोर्टर सोच दिखाने के आरोप लगाए थे। अब अपनी आने वाली बायोपिक के प्रमोशन के दौरान माधवन ने इन सभी बातों पर खुलकर रिएक्ट किया है।

जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो सपोर्ट करना कर्तव्य

जब उनसे पूछा गया कि सोशल मीडिया पर उन्हें 'संघी' कहे जाने पर उनका क्या रिएक्शन है तो उन्होंने कहा कि हर इंसान की सोच उसके संस्कारों और परवरिश से बनती है। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी किसी पार्टी या उसके नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। अगर किसी ने कुछ अच्छा किया है तो मैंने उन्हें सपोर्ट किया है। जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो मुझे लगता है कि उनका सपोर्ट करना मेरा कर्तव्य है। मैं कॉमेंट्स पढ़ता हूं, लेकिन इससे मेरे फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर कोई मुझे इस बारे में बुरा महसूस करा रहा है तो मैं उनकी सोच पर सवाल उठाना चाहता हूं।'

बचपन से अपने देश से प्रेम करना सिखाया गया

माधवन ने आगे कहा कि उन्हें बचपन से अपने देश से प्रेम करना और उस पर विश्वास करना सिखाया गया है। इसलिए उनके विचारों को किसी राजनीतिक विचारधारा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली आलोचना और 'पैसे लेकर काम करने वाले बॉट्स' के कॉमेंट्स के बीच अंतर करना मुश्किल नहीं होता।

'धुरंधर' और 'रॉकेट्री' पर उठे सवालों का भी दिया जवाब

माधवन ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' पर लगे उन आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें इसे सरकार सपोर्टर या प्रचार वाली फिल्म बताया गया था। इससे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान के चित्रण को लेकर फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं, जिन पर एक्टर ने सवाल उठाया था कि कहीं कुछ विरोध किसी खास एजेंडे का हिस्सा तो नहीं है। माधवन ने कहा, 'धुरंधर फिल्म की कहानी पाकिस्तान में घटित होती है। जो कुछ भी होता है, अच्छा या बुरा, वह दिखाता है कि उसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह किस तरह का दुष्प्रचार है? मेरी समझ से परे है। जब नम्बी की आलोचना करने की बात आती है तो अगर मैं उनके वास्तविक व्यक्तित्व से डरता हूं, तो मैं कहानी में ईमानदारी कैसे बरत सकता हूं? अगर वह मंदिर जा रहे हैं, तो मैं उसे दिखाऊंगा। अगर जी.डी. नायडू नास्तिक हैं, तो मुझे किरदार के प्रति ईमानदार रहना होगा। मैं उन्हें प्रार्थना करते हुए नहीं दिखाऊंगा। मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है और मेरी निजी राय यह है कि मैं भारत की सभी अच्छी बातों को उजागर करना चाहता हूं। यह कोई अपराध नहीं हो सकता।

राजनीतिक संदेश देना कभी नहीं रहा उद्देश्य

उन्होंने 'रॉकेट्री: द नम्बी इफेक्ट' से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया। फिल्म में पूर्व इसरो वैज्ञानिक नम्बी नारायणन को पूजा करते हुए दिखाने पर कुछ लोगों ने उन्हें जरूरत से ज्यादा राष्ट्रवादी होने तक का आरोप लगाया था। माधवन ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य कभी राजनीतिक संदेश देना नहीं रहा। उनका काम सिर्फ असली किरदारों को उनकी वास्तविक पहचान के साथ पर्दे पर पेश करना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे। यह फिल्म प्रसिद्ध भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है। फिल्म में सत्यराज, प्रियामणि, जयराम, दुशरा विजयन, विनय राय और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

नेटफ्लिक्स की चुंबक में नजर आएंगी

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।

गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज़ 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज़ में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज़ 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

मिनी माथुर ने अली गोनी को हरा जीती 'अलायंस' की ट्रॉफी

मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गई हैं। उन्होंने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की राशि जीती। मिनी ने जीतने के बाद कहा कि उन्होंने 6 हफ्तों में एक पूरी जिंदगी जी ली। वह कुछ चीजें खुद के लिए साबित करना चाहती थीं।

मिनी माथुर ने कुणाल खेमू का रियलिटी शो 'अलायंस' जीत लिया है, और इस तरह इसे छह हफ्तों बाद अपना पहला विनर मिल गया है। मिनी माथुर ने अली गोनी और रूही दोसानी को मात देकर पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की। साथ ही 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी जीती। अली गोनी पहले ही 'एस ऑफ द वीक' होने के कारण फाइनलिस्ट बन चुके थे, लेकिन रूही दोसानी, मिनी माथुर, नीति टेलर और कुशाल टंडन को फाइनलिस्ट बनने के लिए एक-दूसरे से मुकाबला करना पड़ा। 'अलायंस' के सेमी फाइनल में कुशाल जहां मिनी माथुर से हार गए, वहीं नीति को रूही से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अली गोनी के साथ मिनी माथुर और रूही दोसानी 'अलायंस' के फाइनलिस्ट बन गए। विनर बनने के लिए इन्हीं तीनों के बीच कड़ी टक्कर हुई।

फिर फिनाले टास्क हुआ, जिसमें मिनी, रूही और अली को शो की प्राइज मनी वाले वॉल्ट का कोड जीतने के लिए एक-दूसरे से लड़ना था। टास्क में तीनों फाइनलिस्ट को एक बॉक्स से बॉल इकट्ठा करनी थीं, एक पुल बनाना था और फिर बॉल को एक प्लेटफार्म तक ले जाना था। वहां उन्हें तीनों बॉल को एक साथ बैलेंस करना था। इसके बाद ही उन्हें वॉल्ट खोलने का कोड मिल सकता था। मिनी तीनों कोड इकट्ठा करने में कामयाब रहीं, जबकि अली गोनी ने दो कोड इकट्ठा किए। आखिरकार, मिनी माथुर 'अलायंस' की विनर बन गईं।

जीतने के बाद बोलीं मिनी माथुर

जीतने के बाद मिनी माथुर ने कहा, 'इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है। यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी।'

इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है।

यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं, और मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी। कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी।

'कुछ बातें मैं खुद को साबित करना चाहती थी'

मिनी ने आगे कहा, 'कुछ बातें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी, और अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी। पर जब मैं यहां आई, तो मुझे सबसे लगाव हो गया। मुझे हर एक कंटेस्टेंट से प्यार हो गया। इस पूरे सफर में उन्होंने मेरी बहुत मदद की है।'

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।''

अनुपमा परमेश्वरन ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर लगाया विराम

अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपने को-स्टार और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर विराम लगाया है। अनुपमा के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने बाद फैंस के बीच खबरें फैल रही थीं कि अभिनेत्री और उनके बॉयफ्रेंड के रिश्तों में दरार आ गई है।

अनुपमा परमेश्वरन हाल ही में अपनी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' के टीजर लॉन्च के मौके पर पहुंची थीं। जहां सिनेमा एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा, 'यह मेरा सोशल मीडिया अकाउंट है। मैं तय करती हूं कि क्या पोस्ट करना है। मैं भड़ास नहीं निकाल रही थी। मैं बस एक महिला के बदलाव के बारे में बात कर रही थी। और मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने ऐसा किया।'

ऑनलाइन पोस्ट के आधार पर सोचना गलत

अनुपमा परमेश्वरन ने आगे कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आप मेरे बारे में क्या जानते हैं? मेरे जीवन के बारे में क्या जानते हैं? यह मेरा इंस्टाग्राम है और मैं जो चाहे पोस्ट कर सकती हूं।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी के ऑनलाइन शेयर किए गए कंटेंट के आधार पर उनके जीवन के बारे में सब कुछ जान सकते हैं।

कई महीनों से सोशल मीडिया ब्रेक पर थीं

अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था। आखिरी बार उन्होंने फरवरी में अपने बर्थ डे पर फैंस को शुक्रिया कहा था। उसके बाद उन्होंने एक नई पोस्ट शेयर की जिसमें वह पीले रंग की ड्रेस में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही थीं। मगर इसके साथ उन्होंने कैप्शन में खुद को चुनने और आजादी के बारे में लिखा था। इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। हालांकि इस रिश्ते के बारे में न कभी अनुपमा ने कोई बयान दिया न ही ध्रुव ने ही अधिकारिक रूप से कुछ कहा।

सपने और फायनेंशियल प्लानिंग

शादी के बाद आपके जीवन में एक और साथी शामिल हो जाता है। जब हमारे परिवार में कोई नया सदस्य बढ़ता है तो उसके साथ-साथ हमारे खर्चों का बढ़ना भी स्वाभाविक है।

शादी के बाद कई बार प्रापर प्लानिंग के अभाव में हमारा बजट गड़बड़ा जाता है। उस वक्त होने वाली परेशानियों से बचने के लिए पहले से ही हर चीज की प्लानिंग करके चलें ताकि बाद में आपको कोई परेशानी नहीं हो।

शादी के बाद हमारे सपनों में भी पंख लग जाते हैं। शादी के बाद नए घर, बच्चे, अच्छी लाइफ स्टाइल, खर्च आदि के रूप में हमारे कई सपने उपजने लगते हैं।

ऐसे में अपने सपनों को हकीकत बनाने के लिए तथा अपने जीवनसाथी को खुशियों का तोहफा देने के लिए अपनी फायनेंशियल प्लानिंग करें। यदि आप प्री-प्लानिंग नहीं करेंगे तो पलक झपकते ही आपकी जेब कैसे ढीली हो जाएगी आपको पता ही नहीं चलेगा।

हमारे जीवन में कई ऐसी घटनाएँ होती हैं, जिनका पूर्वानुमान भी हम नहीं कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहें तथा अपने बजट में से कुछ धनराशि इन आपातकालीन खर्चों के लिए जमा करके रखें।

प्राथमिकताएँ तय करें :

शादी के बाद फरमाइशों की लंबी फेहरिस्त लग जाती है। ऐसे में प्राथमिकता वाले काम को पहले करें। एक-दूसरे की सलाह से यह तय करें कि पहले आपके लिए गाड़ी, घर, नौकरी आदि में से क्या बहुत जरूरी है। उसके हिसाब से यह तय करेंगे कि आपका बजट क्या है और उस बजट में आप उस चीज को खरीद सकते हैं या नहीं?

बीमा और हेल्थ पॉलिसी : शादी के बाद आपकी जिम्मेदारियाँ बहुत बढ़ जाती हैं इसलिए दोनों की बीमा पॉलिसी जरूर लें। इससे आपका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। यह एक ऐसा कार्य है, जिसको टालना भविष्य की कई परेशानियों का सबब बनता है।

आपके बेहतर स्वास्थ्य के लिए 'हेल्थ पॉलिसी' बहुत फायदेमंद सिद्ध होती है। बीमारी कभी कहकर दस्तक नहीं देती है इसलिए भविष्य में आने वाले खतरों के लिए पहले से ही सचेत रहें।

जब घर खरीदें :

यदि आप नया घर खरीदना चाहते हैं तो पहले ही घर खरीदने के रुपए के अलावा महीनेभर के राशन, बिजली, पानी व केबल का बिल आदि खर्च को भी उसमें जोड़ें। ऐसा करने पर आपको महीनेभर में आपकी जेब से इन खर्चों के नाम पर निकलने वाले रुपयों का अनुमान हो जाएगा।

आपातकालीन खर्च :

हमारे जीवन में कई ऐसी घटनाएँ होती हैं, जिनका पूर्वानुमान भी हम नहीं कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहें तथा अपने बजट में से कुछ धनराशि इन आपातकालीन खर्चों के लिए जमा करके रखें।

बजट का हमेशा ध्यान रखें :

किसी शादी-ब्याह व अन्य समारोहों में अपने बजट का पूरा ख्याल रखें क्योंकि उत्सुकतावश व दूसरों को खुश करने के लिए हम दिल खोलकर खर्च करते हैं परंतु बाद में उसकी भरपाई के लिए हमें अपनी कई चीजों से समझौता करना पड़ता है। इस स्थिति से बचने के लिए अपनी चादर देखकर ही पैर पसारें।

'आज सब कुछ लुटा दिया तो कल को आपके पास क्या बचेगा' हमेशा कुछ भी खरीदते वक्त इस बात का हमेशा ख्याल रखें।

अपने भविष्यगामी खर्चों की प्रापर प्लानिंग करें। इस प्रकार प्रापर प्लानिंग से आप अपने जीवनसाथी को उम्रभर की खुशियाँ दे सकते हैं तथा एक सुखमय जीवन की शुरुआत कर सकते हैं।

मेहमानों का कमरा हो खास

घर के हिस्से में मेहमानों का कमरा अपने अलग मायने रखता है। जितनी खुशी से आप मेहमानों का स्वागत करते हैं। उसी उत्साह को घर के गेस्ट रूम को सजा कर गेस्ट को अपने पन का अहसास करा सकते हैं। जिससे मित्र या हो रिश्तेदार बार-बार मिलने के लिए घर आए और आपकी तारीफ करें। इसलिए ये कमरा हर तरह से आरामदायक होना चाहिए। आप भी अपने घर को कुछ ऐसा अंदाज दे सकते हैं-

- कमरे में हल्के रंगों का प्रयोग करे जैसे ऑफ व्हाइट, क्रीम, लाइट ब्ल्यू आदि। क्योंकि अक्सर ऐसा होता है कि घर आने वाले मेहमान लम्बा सफर तय आते हैं। ऐसे में हल्के रंग आंखों को सुकून पहुंचाने वाले होते है। गहरे रंग आंखों में चुभते हैं।
- कमरे को और भी आकर्षक रूप देने के लिए कमरे की चादरें, पर्दो के रंग मिलते-जुलते होने चाहिए।
- कमरे को कुछ इस तरह सजाएं कि वह होटल के किसी कमरे की तरह न लगे। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि फर्नीचर बहुत ज्यादा भरा हुआ न हो जिससे कि कमरे में चलने-फिरने में आसानी रहे और कमरा भी खुला-खुला दिखाई दे। इंटीरियर डेकोरेशन में ओपन स्पेस की अहमियत को समझें।
- गेस्ट रूम को स्टोरेज रूम में भी तब्दील न करें, घर की कोई भी पुरानी चीज या फिर बेकार पड़े सामान को इस कमरे की अपेक्षा स्टोर रूम में ही रखें। इससे घर के इस हिस्से में ठहरने वाले मेहमान को अपने घर जैसा ही अहसास होगा।
- कमरे में कपड़ों और दूसरे सामान को रखने के लिए एक अलमारी जरूर होनी चाहिए। इससे कमरे में रखा सामान बिखरा हुआ नहीं लगेगा।
- कमरे में कचरा रखने के लिए छोटा सा कूड़े दान, एक टेबल या फिर दीवार घड़ी के अलावा चाहें तो ताजे फूलों को फूलदान में सजा सकते हैं। इससे भी आपके घर आने वाले मेहमानों को फ्रेश अहसास मिल सकेगा। आप चाहें तो साइड टेबल पर कुछ पुस्तक व पत्रिकाएं भी रख सकते हैं।
- गेस्ट रूम में रोशनी का पूरा प्रबंध करना भी आवश्यक है। इसके अलावा नाइट लैंप की व्यवस्था भी इस कमरे में की जा सकती है। आप चाहें तो ड्रेसिंग टेबल के साथ ही आलमारी या फिर दीवार में फुल साइज का मिरर भी लगा सकते हैं। इससे उन्हें कही आने-जाने के समय तैयार होने में सहायता मिलेगी।

गुस्से पर लगाएं ब्रेक

भौंहें हर दम तनी रहती हैं मिसेज बेला उपाध्याय की। बच्चों से कोई चीज रखने में चूक हो जाए तो सातवें आसमान पर चढ़ जाता है उनका पारा। पति उनके कहे काम को टाल दें तो बर्दाश्त नहीं हो पाता उनसे। फट पड़ती हैं पति पर। ऑफिस में भी सहयोगी ज्यादा बात नहीं करना चाहते हैं उनसे, सभी अनप्रेडिक्टेबल कहते हैं उन्हें। अपने गुस्सैल स्वभाव पर काबू नहीं कर पाती हैं बेला। बाद में सोचती जरूर हैं कि नाहक गुस्सा किया मैंने, लेकिन तब तक तीर कमान से निकल चुका होता है। बात-बात में गुस्सा करने की उनकी आदत अब खुद पर भारी पड़ने लगी है। उनके लिए कोई कहता है, बड़ा एटीट्यूड है इसका, कोई कहता है, इससे तो बात करना ही बेकार है और कोई तो यह तक कह देता है, नकचढ़ी हैं। परिवार के लोग भी उनकी इस आदत को बखूबी समझते हैं, इसलिए उनसे सिर्फ जरूरत भर की बात करना ही पसंद करते हैं। चूंकि वह अपनी इस फितरत को मैनेज नहीं कर पा रही हैं, इसलिए अलग-थलग पड़ती जा रही हैं।

बेला की अपनी टेंशंस हैं, अपनी मुश्किलें हैं, अपनी कमजोरियां, मजबूरियां हैं, अपनी व्यस्तता और निराशा है, लेकिन कोई दूसरा उसका खामियाजा क्यों भुगते? गुस्सा करने की उनकी आदत उन पर तो भारी है ही, पर दूसरों को भी जीने नहीं देती। क्या बेला का यह व्यवहार उचित है? उनके अनुरूप अगर मैं बच्चों को डांटूं नहीं या पति और ऑफिस के सहयोगियों को टोकूं नहीं तो सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाएगा। बेला को अपनी सोच भले ही सही लगती हो, लेकिन वह इसके कुप्रभावों को लेकर बेपरवाह हैं।

आज जमाना परंपरागत तरीकों को छोड़कर व्यावहारिक उपायों को अपनाने का है। अगर कूल लाइफ चाहिए तो मैनेज करना ही पड़ेगा तुरंत भड़क जाने की इस आदत को और देनी पड़ेगी दूसरों को सांस लेने की आजादी।

एक बार चीखती हूं बस

मुझे जब बहुत तेज गुस्सा आता है तो एक बार चीखती जरूर हूं, लेकिन जल्दी ही खुद पर कंट्रोल कर लेती हूं और किचन में चली जाती हूं। अपने गुस्से को मैं वहीं उतारती हूं। जल्दी-जल्दी काम खत्म कर लेती हूं। कुछ समय मिल जाता है कूल होने के लिए और पति व बच्चों को मेरी नाराजगी समझ में आ जाती है। ज्यादा देर माहौल में तनाव नहीं रखती। जल्दी ही सब नॉर्मल कर देती हूं।% कनिका का यह फॉर्मूला एकदम प्रैक्टिकल है। इसमें किसी का कोई नुकसान नहीं। उनका काम भी तेजी से हो जाता है और आवेश भी खत्म हो जाता है। दरअसल, समय की मांग भी यही है। व्यर्थ का तनाव मुश्किलों को बढ़ाएगा ही।

खुशबू से रिलैक्स

भीनी-भीनी सी खुशबू हर मर्ज का इलाज साबित होती है। मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर पद पर कार्यरत प्रज्ञा श्रीवास्तव के लिए तो कम से कम ऐसा ही है। दफ्तर में छोटी सी बात पर भड़क जाती थीं वह। शुरू में तो उन्हें लगा कि उनके तेज बोलने से काम तेजी से हो रहा है, लेकिन जब लगा कि अपनी टीम से कटने लगी हैं वह तो उन्होंने खुशबू को अपना सहारा बना लिया। जब उनका पारा हाई होने लगता है तो खुशबूदार टिश्यू पेपर निकाल लेती हैं। उससे चेहरे को पोंछने पर उन्हें हीलिंग इफेक्ट का अहसास होने लगता है। इसकी नमी उन्हें ताजगी देती है और खुशबू खुद को काबू करने की क्षमता।

ब्रिस्क वॉक से कूल

मैंने तो छोटी सी बात पर रिएक्ट किया था। ऐसा तो मैं हरदम ही करती हूं। इसमें नया क्या था। ये चाहते तो चुप रहकर बात खत्म भी कर सकते थे, लेकिन इन्होंने ही बहस बढ़ा दी और मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अच्छा हुआ कि फिर मैं निकल गई सैर पर। तेज कदम चलकर मैंने अपने गुस्से को बाहर आने की जगह दी और खुद को कूल किया। किरण को शायद यह अहसास नहीं था कि किसी भी मौके पर गुस्सा हो जाना उनकी आदत में शुमार हो गया था और यही झगड़े की जड़ था। फिर भी उन्होंने बिगड़ी बात को और बिगड़ने से बचा लिया और ब्रिस्क वॉक करके अपनी सेहत को भी सुधरने का मौका दिया।

रामबाण है संगीत

संगीत में खो जाना दुनिया भुला देने जैसा है। आवेग को नियंत्रित करने में रामबाण साबित हो सकती है संगीत सुनने की प्रैक्टिस। घर में आपके मनपसंद गीत हल्की आवाज में चल रहे हों तो कोई कुछ भी करे, कुछ भी कहे आपको कोफ्त नहीं होगी। आप शांति से समाधान निकाल पाएंगी। अगर गाड़ी चला रही हैं और मध्यम आवाज में एफएम पर आ रहे पुराने गीत या गजलों का लुत्फ उठा रही हैं तो सड़क पर तकरार जैसी नौबत तो नहीं आएगी। इस संगीत की बदौलत ही शालिनी अपने घर और दफ्तर का सफर बिना किसी तनाव के पूरा कर लेती हैं। घर से भी गुनगुनाती हुई निकलती हैं और ऑफिस में भी अच्छे मूड में प्रवेश करती हैं।

मेरी बीवी से पूछिए

हम दुनिया को हंसाते हैं, उनका तनाव दूर करते हैं, लेकिन खुद मुझे गुस्सा बहुत आता है। सीरियल करते वक्त इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। मेरी बीवी से पूछिए मेरे गुस्से की बात, क्योंकि झेलना तो उन्हें ही पड़ता है। मैं अपना गुस्सा बिल्कुल भी मैनेज नहीं कर पाता। अपसेट हो जाता हूं। चिड़चिड़ा हो जाता हूं, लेकिन यह सब चलता है सिर्फ 10 मिनट के लिए। ज्यादा देर के लिए नहीं। बहुत जल्दी ही सब कुछ नॉर्मल हो जाता है।

अतुल परचुरे, टीवी एक्टर

झलक दिख जाती है चेहरे पर

मैं अपने गुस्से को बाहर नहीं निकाल पाती, लेकिन उसकी झलक मेरे चेहरे पर दिख जाती है। खिचड़ी के बाद जब मैं आर.के. लक्ष्मण की दुनियाके लिए आई तो सब लोगों को यही लगा कि मैं बड़ी एटीट्यूड वाली हूं, लेकिन ऐसा नहीं है। हां, शूट में कुछ गलत होता है तो मुझे लगता है क्यों? आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? एकदम से गुस्सा आ जाने की अपनी इस आदत को काफी हद तक मैनेज कर लेती हूं मैं।

वंदना पाठक, टीवी एक्टर

गौर करें

- क्या वाकई बात इतनी चुभने वाली थी कि आप रिएक्ट कर गई?
- क्या आपकी अपनी जल्दबाजी तो गुस्से का सबब नहीं?
- क्या मुश्किलें सहन करने की आपकी साम?र्थ्य कम तो नहीं हो गई?
- क्या आपके प्रियजन तो आहत नहीं हुए?
- क्या प्रभाव नजर आ रहे हैं आपको अपने गुस्से के?

क्या करें

- कोई बात आपको बुरी लगी है तो उसे सीधे-सीधे बता दें। जाहिर कर दें अपनी नाराजगी।
- खुद को टाइम दें, स्पेस दें और स्थिति को समझें।
- खुद को उस जगह पर रख कर सोचें।
- बात-बात पर गुस्सा करने से भी इसकी आदत बन जाती है। अगर ऐसा है तो बदलें खुद को और खुश रहने की आदत डालें।
- तुरंत रिएक्ट न करें।

फील गुड फैक्टर

हमारे भीतर का जो गुस्सा होता है वह हमें कहीं न कहीं भरोसा दिलाता है कि हम अपने हालात बदल सकते हैं। हॉर्वर्ड डिसीजन साइंस लेबोरेटरी की रिसर्च के मुताबिक अगर हम अपने अंदर के गुस्से को सही रास्ता दिखा दें तो जिंदगी बदल सकते हैं। अपने अधूरेपन को भरने की कोशिश हमें कहीं से कहीं ले जा सकती है। बदलाव की छटपटाहट एक टॉनिक का काम भी कर सकती है।

क्या हैं कारण

- लाइफस्टाइल में बढ़ती व्यस्तता
- उम्मीदों से कम सफलता
- क्षमताओं से ज्यादा टारगेट